PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 253 ● भिलाई, शुक्रवार 17 अप्रैल 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

परिसीमन को लेकर फैलाया जा रहा भ्रम

सांसद में शाह बोल-दक्षिणी राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ेगी...

नई दिल्ली/ एजेंसी

लोकसभा में महिला आरक्षण को लेकर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के भाषण के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कुछ चीजें ऐसी यहां कही गई हैं, जिन्हें स्पष्ट करना जरूरी है, ताकि जनता के मन में आज रात तक कोई भ्रम न रह जाए। एक नैरेटिव खड़ा किया जा रहा है कि यह जो तीन विधेयक हैं, वो आने से दक्षिण की क्षमता लोकसभा में बहुत कम हो जाएगी। हमारे दक्षिण के राज्यों को बहुत बड़ा नुकसान होगा। उन्होंने बताया कि सदन में 543 सांसद हैं। कर्नाटक के करीब 15 फीसदी सांसद यहां आते हैं। संविधान संशोधन के बाद कर्नाटक के सांसदों की संख्या 28 से होकर 42 हो जाएगी। आंध्र प्रदेश की अभी 25 सीटें हैं और उसका प्रतिनिधित्व 4.60 प्रतिशत है। उसकी सीटें हो जाएंगी 38 और हिस्सेदारी 4.65 फीसदी हो जाएगी। तेलंगाना के सांसदों की मौजूदगी 3.13 फीसदी है, उनकी हिस्सेदारी 3.18 फीसदी है। मैं कह रहा हूं कि आपकी शक्ति कम नहीं होगी, बल्कि बढ़ जाएगी। अभी तमिलनाडु की हिस्सेदारी है 7.18 फीसदी है, वह बढ़कर हो जाएगी 7.23 फीसदी। केरल की हिस्सेदारी 3.68 की जगह 3.67 फीसदी हो जाएगी। ये जो दक्षिण का नैरेटिव है, 543 में से 129 सांसद दक्षिण के सांसद सदन में बैठते हैं। 23.76 फीसदी उनकी हिस्सेदारी है। आगे 150 सांसद बैठेंगे और 23.97 फीसदी सांसद यहां बैठेंगे। बिल को पायलट करने वाले मंत्री के रूप में मैं सदन से

अगर यह कह रहा हूं तो मैं पूरी जिम्मेदारी से कह रहा हूं। मैं अमित शाह भारत का गृह मंत्री यह कह रहा हूं। कल जब मैं विस्तार से जवाब दूंगा तो और बताऊंगा, बशर्ते वे (विपक्ष) वॉकआउट न कर जाएं। केजी के बच्चों को जैसे समझाते हैं, वैसे समझा दूंगा। अमित शाह ने आगे कहा कि कुछ सदस्य कह रहे हैं कि सरकार जातीय जनगणना नहीं कराना चाहती। मैं कह रहा हूं कि हम यह निर्णय कर चुकी है और जातीय जनगणना होकर रहेगी। एक भ्रांति फैलाई जा रही है कि जो जनगणना हो रही है, उसमें जाति का जिक्र नहीं है। अभी इमारतों की गिनती चल रही है तो जब इनकी जाति होगी तो इसकी भी गिनती कर ली जाएगी। अभी सिर्फ इंसानों की जाति होती है तो जब उनकी गिनती होगी तब हम जातीय जनगणना करेंगे। 850 का आंकड़ा ऐसे बना है कि अगर 33 फीसदी मातृशक्ति को आरक्षण देना है तो 543 सदस्य जो बैठे हैं इसमें 50 फीसदी वृद्धि होगी और उसका 33 फीसदी माताओं के लिए आरक्षित होगा, जिसमें महिलाएं ही लड़ेंगी। उन्होंने कहा कि विधेयक में लिखा नहीं, मेरा समय ले लें मैं पूरा पढ़ दूंगा। ये कह रहे हैं कि परिसीमन आयोग में आप अपने लोग बिठा दोगे। लेकिन हम बता दे रहे हैं कि हमने परिसीमन आयोग में कोई बदलाव नहीं किया है। आपका ही परिसीमन से जुड़ा कानून ही लागू है। अगर आपने कोई बदलाव या छेड़छाड़ की भी होगी।

महिला आरक्षण की बात सबसे पहले कांग्रेस ने की, तब बीजेपी ने विरोध किया था

महिला आरक्षण को लेकर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, सबसे पहले महिला आरक्षण की बात कांग्रेस ने की थी। उन्होंने कहा कि कराची अधिवेशन में इस पर प्रस्ताव पास किया था। उन्होंने कहा कि उस वक्त राजीव गांधी ने ये प्रस्ताव पास किया था और उस समय बीजेपी ने इसका विरोध किया था। प्रियंका गांधी ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस पर चर्चा की लेकिन ये नहीं बताया कि उस समय इसका विरोध किसने किया था। कांग्रेस सांसद ने कहा कि महिला आरक्षण 2029 तक लागू होना चाहिए। हम सहमत हैं। इसे लागू करने के लिए सीटों की संख्या 50 फीसदी बढ़ानी पड़ेगी और 850 कर दी जाएगी।

नेपाल सरकार का आदेश

सात पूर्व प्रधानमंत्रियों की होगी संपत्ति जांच-पीएम बालेन शाह

नेपाल/ एजेंसी

नेपाल की सरकार ने बुधवार को अपनी कैबिनेट बैठक में एक ऐतिहासिक निर्णय लिया। नए नवेले प्रधानमंत्री बालेन शाह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सरकार ने 2006 के बाद से सार्वजनिक पद पर रहे लोगों की संपत्ति की जांच के लिए एक पैनल का गठन किया। इस जांच के दायरे में नेपाल के सात पूर्व प्रधानमंत्री भी आएंगे। इसके अलावा सैकड़ों ऐसे मंत्रियों के भी नाम इस लिस्ट में शामिल होंगे, जो कि 2006 के बाद नेपाल सरकार में काम कर चुके हैं। नेपाल में 20 सालों के बीच सार्वजनिक पद पर रहे मुख्य

राजनीतिक पदाधिकारियों और अधिकारियों की संपत्ति की जांच के लिए आयोग का गठन किया है. नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया है. सरकार के प्रवक्ता और शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ-साथ युवा और खेल मंत्री सस्मित पोखरेल ने बुधवार को कैबिनेट बैठक के बाद बताया कि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश राजेंद्र कुमार भंडारी की अगुवाई में इस पांच सदस्यीय संपत्ति जांच आयोग का गठन किया जाएगा। जांच पैनल के सदस्यों में दो पूर्व जज चंडी राज ढकाल और पुरुषोत्तम पराजुली को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा नेपाल पुलिस के पूर्व उप महानिरीक्षक गणेश केसी और चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रकाश लमसाल भी इस आयोग के सदस्य होंगे। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद 27 मार्च को 15 दिनों के भीतर इस तरह का आयोग गठित करने का फैसला लिया गया था.

बंगाल में बदलाव की लहर है: सीतारमण

पूर्व बर्द्धमान। बंगाल में भाजपा ने चुनाव प्रचार के लिए स्टार प्रचारकों की जैसे बाढ़ लगा दी है। ऐसे में बंगाल में चुनाव प्रचार के लिए आईं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पूर्व बर्द्धमान में कहा कि बंगाल में लोगों के बीच राजनीतिक परिवर्तन और बेहतर शासन व्यवस्था की भावना प्रबल हो रही है। राज्य की जनता अब बदलाव चाहती है और इसके लिए बेताब है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस बार बंगाल में बदलाव आएगा, सीतारमण ने कहा कि लोग पिछले वर्षों की तुलना में अब अधिक खुलकर अपनी शिकायतें व्यक्त कर रहे हैं। सीतारमण ने आगे कहा कि उन्होंने आगे कहा कि भले ही लोग सीधे तौर पर सब कुछ नहीं कह रहे हों, लेकिन यह साफ संकेत दे रहे हैं कि वे मौजूदा स्थिति से संतुष्ट नहीं हैं।

परिसीमन बिल पर हंगामा

देश में मुस्लिम महिलाओं को भी आरक्षण मिले-अखिलेश यादव..

नई दिल्ली/ एजेंसी

विपक्ष के भारी हंगामे के बीच लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन बिल पेश कर दिया गया है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने महिला आरक्षण और परिसीमन समेत 3 संशोधन बिल पेश किया। अभी सभी पार्टियां अपनी-अपनी बात रख रहे हैं। इसके बाद बिल पर व्यापक चर्चा होगी। विपक्ष ने डिलिमिटेशन बिल यानी परिसीमन विधेयक का विरोध किया है। बिलों को पुर्नस्थापित करने के लिए ध्वनि मत से पास कराने की कोशिश की गई। इसके बाद विपक्ष ने मत

विभाजन मांगा। इसके बाद स्पीकर ने इसके लिए वोटिंग की अनुमति दी। बता दें कि संसद का विशेष सत्र आज से शुरू हो गया। सत्र का इनका उद्देश्य 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून- नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पूरी तरह लागू करना है। लोकसभा में परिसीन बिल पेश होते ही हंगामा शुरू हो गया। सपा ने बिल में मुस्लिम महिला आरक्षण की डिमांड रखी। अखिलेश यादव ने कहा कि आप जातिगत जनगणना क्यों नहीं करा रहे। आप धोखा देकर ये बिल लाना चाहते हैं। बिल में मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण क्यों नहीं है। इसपर अमित शाह ने कहा- अध्यक्ष जी सदन की कार्रवाई को पूरा देश देख रहा है। कुछ बयान ऐसे किए गए जो जनता में चिंता पैदा कर रहे हैं। अखिलेश पूछ रहे हैं जनगणना क्यों नहीं हो रही है। मैं देश को बताना चाहता हूं जनगणना जारी है।

कांग्रेस ने की चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग

फिर मुसीबत में बीजेपी के कैलाश विजयवर्गीय

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश की राजनीति में उस समय हलचल तेज हो गई जब शहरी प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के एक सार्वजनिक बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया। रतलाम में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिए गए उनके बयान को लेकर कांग्रेस ने गंभीर आपत्ति जताई है और इसे कानूनी मुद्दा बना दिया है। दरअसल, शनिवार रात रतलाम में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विजयवर्गीय ने कहा कि पश्चिम बंगाल में उनके खिलाफ 38 फर्जी मामले दर्ज किए गए हैं। कैलाश विजयवर्गीय ने यह भी कहा कि यदि वे बंगाल जाते हैं

तो उनकी गिरफ्तारी हो सकती है। अपने छह साल के बंगाल प्रवास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उनका जीवित बचना किसी दैवीय कृपा से कम नहीं था और इसके लिए उन्होंने बजरंगबली का आभार जताया।

हरियाणा जमीन सौदे मामले में रॉबर्ट वाड्रा को समन, ईडी के आरोपपत्र पर कोर्ट का संज्ञान

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने हरियाणा के गुरुग्राम स्थित शिकोहपुर में जमीन सौदे से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा को समन जारी किया है। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति वाड्रा सहित 9 अन्य लोगों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दायर आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए यह कदम उठाया है। कोर्ट ने सभी आरोपियों को 16 मई को पेश होने को कहा है। ईडी ने जुलाई 2025 में वाड्रा के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था। इससे पहले अप्रैल 2025 में केंद्रीय एजेंसी ने वाड्रा से लगातार 3 दिन तक पूछताछ की थी।

नक्सली कमांडर रूपी का अंतिम संस्कार विवादों में घिर गया

मुठभेड़ में मारी गई नक्सली लीडर को शहीदी विदाई! अंतिम संस्कार में गूंजा 'हिडमा सांग'

जगदलपुर। कांकेर के जंगलों में हुई सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारी गई नक्सली कमांडर रूपी का अंतिम संस्कार विवादों में घिर गया है. रूपी का तेलंगाना के मेडक जिले में अंतिम संस्कार किया गया. इस दौरान कुछ लोग लाल झंडे लेकर नाचते एक शहीद के तौर पर 'रूपी' को अंतिम विदाई देते हुए विवादित 'हिडमा गाना' गाते नजर आ रहे हैं, इस पूरे घटनाक्रम ने सुरक्षा एजेंसियों के कान खड़े कर दिए हैं. बता दें कि सुरक्षा बलों ने 13 अप्रैल को कांकेर जिले के छोटेबेठिया थाना क्षेत्र के माचपल्ली, आरामझोरा और हिदूर के जंगलों

में नक्सलियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया था. जैसे ही जवान जंगल के अंदर पहुंचे, नक्सलियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी. इसके जवाब में सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभाला और दोनों तरफ से तेज गोलीबारी हुई. मुठभेड़ के बाद हालात शांत होने पर इलाके की तलाशी ली गई, जिसमें एक महिला नक्सली का शव बरामद हुआ.मुठभेड़ में मारी गई महिला नक्सली की पहचान रूपी के रूप में हुई है, जो एसीएम (एरिया कमेटी मेंबर) रैंक की कमांडर थी. लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की वांटेड सूची में शामिल रूपी बस्तर क्षेत्र में सक्रिय आखिरी तेलुगू महिला नक्सली कैडर मानी जा रही थी.वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद महिला नक्सली के अंतिम संस्कार के लिए तेलंगाना के मेडक जिले ले जाया गया, जहां अंतिम संस्कार के दौरान का वीडियो अब सामने आया है, जिसमें कुछ लोग लाल झंडे लेकर नाचते और विवादित गीत बजाते दिखाई दे रहे हैं. यह उसी तरह का मंजर था, जब हिडमा को अंतिम विदाई दी गई थी.

जनगणना 2027 का पहला चरण आज से शुरू

आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में हाउसलिस्टिंग शुरू हुआ, पहली बार डिजिटल प्रक्रिया लागू हुआ.....

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में जनगणना 2027 की प्रक्रिया का पहला चरण गुरुवार से शुरू हो गया है। इस चरण के तहत हाउसलिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना का फील्ड कार्य आज से प्रारंभ हो रहा है, जो 15 मई 2026 तक चलेगा। पहले चरण में देश के 8 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल किया गया है, जिनमें अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह, गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मिजोरम, ओडिशा और सिक्किम शामिल हैं। इसके अलावा राजधानी दिल्ली के नई दिल्ली नगरपालिका परिषद और दिल्ली छावनी बोर्ड क्षेत्रों में भी यह प्रक्रिया शुरू हो रही है। इस चरण में घरों की संख्या, उनकी स्थिति, उपलब्ध सुविधाएं और अन्य बुनियादी जानकारियां एकत्र की जाएंगी। यह डेटा आगे होने वाली मुख्य जनगणना के लिए आधार तैयार करेगा। सरकार के मुताबिक, अब तक करीब 12 लाख परिवार ऑनलाइन पोर्टल के जरिए अपनी जानकारी दर्ज कर चुके हैं। जिन लोगों ने स्वयं-गणना पूरी कर ली

है, उन्हें अपना SE ID सुरक्षित रखना जरूरी होगा। यह आईडी तब काम आएगी जब गणना कर्मचारी उनके घर पहुंचेगा और प्रक्रिया को अंतिम रूप देगा। वहीं, जिन परिवारों ने अभी तक ऑनलाइन जानकारी नहीं दी है, उनके लिए पारंपरिक घर-घर सर्वे की व्यवस्था जारी रहेगी। गणना कर्मचारी सीधे घर जाकर जरूरी डेटा एकत्र करेंगे। इस बार की जनगणना की खास बात यह है कि इसमें पहली बार बड़े स्तर पर डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके बावजूद पारंपरिक सर्वे पद्धति को भी बरकरार रखा गया है, ताकि कोई भी व्यक्ति या परिवार गणना से छूट न जाए। जनगणना 2027 के पहले चरण में हाउसलिस्टिंग और हाउसिंग जनगणना के दौरान लोगों से विस्तृत जानकारी जुटाई जाएगी। इस चरण में कुल 33 प्रश्नों के माध्यम से घर और परिवार से जुड़ी अहम जानकारियां ली जाएंगी। हाउसलिस्टिंग के दौरान गणना कर्मचारी निम्न बिंदुओं पर जानकारी एकत्र करेंगे घर की स्थिति (कच्चा/पक्का, स्वामित्व आदि), परिवार के सदस्यों का विवरण, पानी, बिजली, शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं, घर में मौजूद संपत्ति और संसाधन सरकार ने साफ किया है कि यह पूरी प्रक्रिया जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत की जा रही है। इसके अनुसार, एकत्रित की गई सभी जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला

दो विमान के पंख आपस में टकराए, सभी यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब टैक्सीइंग के दौरान स्पाइसजेट का एक विमान अकासा एयर के विमान से टकरा गया। इस घटना में दोनों विमानों को नुकसान पहुंचा, हालांकि राहत की बात यह रही कि सभी यात्री और क्रू पूरी तरह सुरक्षित हैं। जानकारी के अनुसार, स्पाइसजेट का ब737-700 विमान रनवे की ओर बढ़ रहा था, तभी उसका दाहिना विंगलेट दूसरे विमान से टकरा गया। इस टक्कर से दूसरे विमान के लेफ्ट हैंड हॉरिजॉन्टल स्टेबलाइजर को भी नुकसान हुआ। फिलहाल तकनीकी जांच जारी है

और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। 16 अप्रैल 2026 को दिल्ली से हैदराबाद जा रही अकासा एयर की उड़ान क्यू 1406 को तकनीकी और परिचालन कारणों से वापस बे पर लौटना पड़ा। शुरुआती जानकारी के अनुसार, जब अकासा एयर का विमान खड़ा था, उसी समय किसी अन्य एयरलाइन के विमान ने उससे संपर्क (टक्कर जैसी स्थिति) कर ली।

निगम अधिकारी के खिलाफ जनप्रतिनिधियों ने खोला मोर्चा, कलेक्टर से की शिकायत

धमतरी। नगर एवं नगरवासियों को विकास की राह पर अग्रसर करने का जिम्मा रखने वाला विभाग, आपसी कलह एवं यहां पदस्थ अधिकारी के नादिरशाही रवैये के चलते एक साल से विकासविहीन स्थिति में पहुंच चुका है। पार्षदों की लगातार उपेक्षा एवं स्वीकृत विकास कार्यों के प्रति रूचि नहीं रखने वाले उक्त अधिकारी के रवैये से पिछले एक साल से निगम के कार्य पर विराम लग चुका है जिसके लिये पूर्णतः अधिकारी को दोषी माना जा रहा है। भाजपा समर्थित इस शहरी सरकार में भ्रष्टाचार के साथ साथ भाई-भतीजावाद भी फल फूल रहा है और इसमें कुछ हद तक उक्त अधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जा रही है। एक साल के अंतराल में कुछ ऐसे मामले उछलकर सामने आये हैं जिसमें ऐसा पता चलता है कि यहां पदस्थ अधिकारी अपने ही परिचितों को यहां निकलने वाले कार्यों को सप्लाई करवाने में रूचि रखकर अपने मिशन को सफल करते जा रहे हैं जिससे विपक्ष सहित सत्तापक्ष के पार्षदों में खासी नाराजगी देखी जा रही है। शहरवासी भी अपनी मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहकर उक्त अधिकारी को ही दोषी बता रहे हैं। अधिकारी के कार्यालय में लगातार अनुपस्थित रहने से नाराज जनप्रतिनिधियों ने जिले के संवेदनशील कलेक्टर से मिलकर उक्त अधिकारी के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली। इनका कहना था कि न ऑफिस आना, न आवश्यक फाईलों में हस्ताक्षर करना, न मोबाईल उठाना, न किसी की बात सुनना, महीने में एक बार यदि इनका दर्शन हो जाये तो बहुत बड़ी बात है। ऐसे में आप अंदाज लगा सकते हैं कि आम नागरिकों को कैसे उनकी मूलभूत सुविधाएं मिल रही होंगी। शहर के 40 वार्डों की जनता ने अपनी और अपने वार्डों की समस्याओं को लेकर भाजपा समर्थित पार्षदों को भरपूर समर्थन दिया। इन पार्षदों ने वार्डवासियों की समस्याओं को पूर्ण करने का आश्वासन भी दिया था। लेकिन चुनाव हो जाने के बाद जब शहरी सरकार में भाजपा समर्थित पार्षदों, महापौर का पदार्पण हुआ तो इन्होंने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के आदर्शों को आत्मसात करने और उनके तर्ज पर चलने की शपथ भी उठाई थी। इन्हें क्या मालूम था कि पूर्ववर्ती कांग्रेस शहरी सरकार के समय से पदस्थ उक्त अधिकारी अपने अड़ियल रवैये के कारण उनकी भावी योजनाओं को शहर एवं शहरवासियों के मूलभूत सुविधाओं को दूर करने में आनाकानी करेंगे। जबसे यहां इनका पदार्पण हुआ है तबसे लेकर अब तक शहरवासियों को तो ये दिखाई ही नहीं देते। पार्षदों को भी ये समय नहीं दे पाते। इसी

वजह से शहर विकास अवरूद्ध सा हो गया है। शहर के नागरिकों की किसी भी मूलभूत सुविधाओं को दिलाने अथवा शहर में विकास कार्यों को लेकर इनसे जब पार्षद चर्चा करने इनके पास जाते हैं तो वे इधर उधर की बात कर बातचीत के दौरान उठकर अपने चेंबर से निकल जाते हैं जिससे उनकी समस्याओं का निदान नहीं हो पा रहा है। यही नहीं शहर के नागरिकों की बहुप्रतीक्षित मांग हाईटेक बस स्टैंड को लेकर निविदा भी निकल चुका है, स्वीकृत भी हो चुका है। ठेकेदार पर काम करने का दबाव बनाया जा रहा था। लेकिन सच्चाई यह निकली कि उक्त अधिकारी के लापरवाही के चलते संबंधित आर्किटेक्ट को वर्क ऑर्डर जारी नहीं किया गया। इस बात का खुलासा जनप्रतिनिधियों ने कलेक्टर से मुलाकात के दौरान किया। तत्पश्चात आनन फानन में संबंधित आर्किटेक्ट को वर्क ऑर्डर जारी किया गया। कुछ जनप्रतिनिधियों ने चर्चा में यह भी कहा कि उक्त अधिकारी पूरी तरह कांग्रेसी मानसिकता से ग्रसित है। उनकी मंशा नहीं है कि धमतरी नगर पालिक निगम में तेज गति से विकास हो। यही कारण है कि जान बूझकर बड़े-बड़े कार्यों में उनकी दिलचस्पी नहीं रहती। छोटे छोटे विकास के कार्यों पर रोड़ा अटकाना इनके सोच में शामिल है। इनका उसी काम में दिलचस्पी है जिसमें मनमाफिक स्वार्थपूर्ति होती है। नगर निगम में इस अधिकारी ने कचरा कलेक्शन के लिये 20 रिक्शा अपने परिचित से खरीदी की थी जिसमें निविदा शर्तों के विपरीत यह रिक्शा प्रदाय किया गया जो आज वर्कशॉप में पड़ा धूल खाते पड़ा है जबकि महीनों पहले एमआईसी की बैठक में उक्त रिक्शे को वापस करने का निर्णय भी लिया जा चुका है बावजूद इसके आज तक रिक्शे को वापस नहीं किया गया है। वहीं वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में बेलिंग मशीन को जेम पोर्टल के माध्यम से खरीदा गया था जिसमें भी भारी घपला सामने आया है। ऐसे अनेक मामले हैं जो जांच का विषय हैं। इसे लेकर पार्षदों में नाराजगी है। इस अधिकारी के द्वारा अंग्रेज नीति फूट डालो-राज करो के तर्ज पर जनप्रतिनिधियों को लड़ाया जा रहा है और यही कारण है कि आपसी तालमेल में अभाव के चलते सामंजस्य स्थापित नहीं हो रहा है और विकास कार्य ठप्प पड़ा हुआ है। पिछले दिनों कुछ पार्षदों ने उक्त अधिकारी के विरूद्ध अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए उनकी कार्यशैली में बदलाव लाने की गुहार लगाई थी। लेकिन अधिकारी के समझाईश के बाद भी उक्त अधिकारी के रवैये में कोई बदलाव नहीं आया है। इससे पार्षदों के साथ साथ शहरवासियों में भी खासी नाराजगी देखी जा रही है। इस अधिकारी का अड़ियल रवैया इसी बात से पता लगाया जा सकता है कि इन्होंने एसआईआर के समय अपना प्रभार किसी अन्य को न सौंपते हुए अचानक रवानगी ले ली थी जिसके कारण नवंबर से फरवरी के कार्य बुरी तरह प्रभावित हुए। हद तो यह है कि अवकाश समाप्ति के पूर्व ही इन्होंने आकर नाटकीय घटनाक्रम में पदभार ग्रहण किया और फिर से कार्य शुरू किया जिसे लेकर उनके विरूद्ध लंबी-चौड़ी शिकायत की तैयारी शहरवासी कर रहे हैं। इस शिकायत में इनके कार्यकाल में हुए तमाम खरीदी, सप्लाई के जांच की मांग की जायेगी।

नवनिर्मित राधाकृष्ण मंदिर में भव्य प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न

सरायपाली। आखिर वो घड़ी आ गई जिसका केना वासियों को बरसों से इंतजार था।साक्षात् प्रेम और भक्ति का संगम राधाकृष्ण के रूप में नवनिर्मित राधाकृष्ण मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अद्भुत वास्तुकला, दिव्य प्रतिमाएँ,मकराना पत्थर से निर्मित राधाकृष्ण की प्रतिमा की स्थापना की गई। ग्रामवासियों के सहयोग से बने इस मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के लिए कुलपुरोहित खिरोद्र कर, विद्याधर दास, यज्ञाचार्य पं.त्रिलोचन कर एवं उनके सहयोगी जोगेंद्र दास, अजय दास, सुभाष मिश्रा, ब्रह्मप्रकाश कर ने विधि-विधान से पंचांग, पूजन, मंडप प्रवेश सहित अनेकानेक अधिवास सम्पन्न कराया तथा शिखर कलश स्थापन कर ध्वजा पताका फहराया। आरती और भोग लगाने के बाद वैदिक मंत्रोच्चार से जीवंत हुई प्रतिमाएँ दर्शन के लिए खोल दिया गया। महाअष्टम संकीर्तन के बाद मंत्रोच्चार के माध्यम से मूर्तियों में चैतन्य शक्ति का संचार किया गया। जैसे ही मूर्तियों की आँखों से पट्टी हटाई गई, मंदिर परिसर राधेकृष्ण की जय से गूँज उठा। शंखध्वनि और घंटों की गूँज के बीच राधेकृष्ण की जय तथा मातृशक्तियों की हुलहुलियों से पूरा इलाका गूँज उठा। वहीं हरिहरात्मक यज्ञ कुंड में यजमान सुन्दर लाल पटेल, टिकेश्वर साहू, नरोत्तम भोई, रामरतन पटेल, विजय चौधरी, टिकेश्वर पटेल, तिरिथलाल पटेल ने आहुति देकर जन कल्याण की कामना की। दूर-सुदूर से पधारे तथा स्थानीय

हजारों श्रद्धालु भक्तों ने निरंतर पाँच दिन तक दोपहर और रात में महाभंडारे में प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ कमाया। मंदिर तथा गाँव की गलियों को फूलों और रंग-बिरंगी लाइटों से दुल्हन की तरह सजाया गया था। महाराज कंस अपने सेनापति के साथ सुसज्जित रथ में आरूढ़ होकर प्रतिदिन गाँव की गलियों में बाजे-गाजे के साथ भ्रमण करते तथा कंस दरबार लगती। कृष्ण बलराम की जीवंत झाँकी का गलियों में भ्रमण आकर्षण का केन्द्र रहा। राधाकृष्ण की प्रतिमा को गाँव के प्रमुख मार्गों से भ्रमण कराया गया। जगह-जगह लोगों ने धूप-दीप,जला पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। प्रत्येक दिन घर के मुख्य द्वार पर कलश पुष्प सजाया जाता। धार्मिक कार्यक्रम के साथ विविध सांस्कृतिक आयोजन भी किए गए थे।ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने के लिए दूर-सुदूर,आस-पास के जिलों से भारी संख्या में भक्त उमड़ पड़े थे। पाँच दिवस तक केना का वातावरण दिव्य था।हवाओं में भक्ति थी और सभी श्रद्धालु भक्तजन श्री राधाकृष्ण के चरणों में नतमस्तक थे।भक्ति प्रेम और आस्था के साथ धूमधाम से राधाकृष्ण मंदिर में भव्य प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। श्रद्धालुओं ने इसे क्षेत्र के लिए एक नई आध्यात्मिक उर्जा का संचार बताया। इस अवसर पर मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि पाँच वर्षों की इंतजार के बाद राधा-रानी की कृपा से यह ऐतिहासिक अवसर आया है।यह मंदिर न केवल पूजा स्थल है बल्कि प्रेम, सदभाव और सामाजिक समरसता का केन्द्र बनेगा। इस अवसर पर समूचा क्षेत्र भक्ति के रंग में सराबोर हो गया। मंदिर को मूर्त रूप देने वालों में मुख्य रूप से सत्यम साहू के साथ सभी कारीगरों, काष्ठकारों एवं चित्रकारों का सम्मान किया गया। भंडारे में आस-पास के सभी गाँव वालों ने भरपूर सहयोग दिया।महोत्सव को सफल बनाने में मंदिर समिति सदस्य, दायित्ववान कार्यकर्ताओं सहित, समस्त ग्रामवासियों व पुलिस प्रशासन की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

विधायक दीपेश साहू ने शहर के विभिन्न वार्डो का किया भ्रमण

बेमेतरा। बेमेतरा विधायक दीपेश साहू नगर पालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डों का औचक निरीक्षण कर जमीनी हकीकत का जायजा लिया। इस दौरान बाजार पारा, वार्ड क्रमांक 18, वार्ड क्रमांक 17 एवं गौरव पथ रोड, वार्ड क्रमांक 16 में पार्षदों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जो स्थिति सामने आई, उसने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। कई स्थानों पर कचरे के बड़े-बड़े ढेर जमा मिले, नालियां जाम होकर बदबू फैला रही थीं, जिससे आसपास रहने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं पेयजल आपूर्ति की स्थिति भी कई जगहों पर अव्यवस्थित पाई गई, जिससे आम नागरिकों में नाराजगी स्पष्ट रूप से देखने को मिली। इन सब स्थितियों को देखकर विधायक दीपेश साहू ने मौके पर ही नाराजगी जताते हुए नगर पालिका के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने सख्त लहजे में कहा–शहर की यह स्थिति

बिल्कुल अस्वीकार्य है। जनता हमें विकास और सुविधा के लिए चुनती है, लेकिन यदि उन्हें गंदगी, जाम नालियों और पेयजल संकट जैसी समस्याओं से जूझना पड़े, तो यह सीधे-सीधे जिम्मेदारों की लापरवाही है। अब यह लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विधायक ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि तत्काल प्रभाव से सभी वार्डों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाए, कचरे के ढेरों को हटाकर नियमित कचरा उठाव सुनिश्चित किया जाए, जाम नालियों की सफाई कर जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाया जाए एवं पेयजल आपूर्ति को व्यवस्थित कर नागरिकों को राहत पहुंचाई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सफाई व्यवस्था केवल कागजों में नहीं, बल्कि जमीन पर दिखनी चाहिए। नियमित मॉनिटरिंग की जाए और हर वार्ड में साफ-सफाई की जिम्मेदारी तय की जाए। यदि भविष्य में किसी भी वार्ड में ऐसी स्थिति दोबारा पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान विधायक ने वार्ड पार्षदों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी चर्चा की और उन्हें निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखें, जनता से संवाद बनाकर रखें और समस्याओं की सूचना तुरंत संबंधित विभाग तक पहुंचाएं, ताकि त्वरित समाधान हो सके। विधायक दीपेश साहू ने अपने संबोधन में कहा कि हमारा उद्देश्य केवल विकास कार्य कराना नहीं, बल्कि नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना है। स्वच्छता एक मूलभूत आवश्यकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रशासन को अपनी जिम्मेदारी गंभीरता से निभाना होगी, तभी हम एक बेहतर शहर का निर्माण कर पाएंगे।

उन्होंने आगे कहा कि नगर पालिका को अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाना होगा, समयबद्ध तरीके से कार्यों का निष्पादन करना होगा और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना होगा। साथ ही, सफाई व्यवस्था को आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक संसाधनों का भी सही उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

पीएम आशा अंतर्गत दलहन-तिलहन फसलों के उपार्जन हेतु पंजीयन 20 अप्रैल तक

बलौदाबाजार। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम -आशा) के अन्तर्गत दलहन एवं तिलहन फसलों की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर की जा रही है। कृषक अपनी संबंधित सहकारी समिति में 20 अप्रैल 2026 तक पंजीयन करा सकते हैं। गिरदावरी के लिए अपने क्षेत्र के पटवारी एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी से फसल रकबा सत्यापन प्रमाण पत्र प्राप्त कर पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। पीएम-आशा के अंतर्गत प्राइस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) के तहत् जिले में 5 उपार्जन केंद्रों प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति बलौदाबाजार, अमेरा, घुर्राबांधा, कसडोल एवं सिमगा का नाम शासन द्वारा अधिसूचित किया गया है। जिले में अब तक 1028 कृषकों द्वारा कुल 1146.98 हेक्टेयर रकबे का पंजीयन चना, मसूर एवं सरसों विक्रय हेतु किया गया है।

योजनांतर्गत उपार्जन केन्द्र बलौदाबाजार, अमेरा एवं घुर्राबांधा समिति में खरीदी शुरू हो गई है। जिसमें 47 कृषकों द्वारा 339.50 क्विंटल फसलों का उपार्जन किया गया है। प्रधानमंत्री-अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) अंतर्गत प्राइस सपोर्ट स्कीम के तहत् प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दलहन एवं तिलहन आत्मनिर्भरता मिशन की शुरुआत की गई है, जिससे किसानों की आय बढ़ाने और दलहन एवं तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने का लक्ष्य है।

भाजपा सरकार की हर योजना अंतिम व्यक्ति के विकास के लिए : राजेन्द्र गोलछा

धमतरी। शक्ति केंद्र खमरिया में गांव चलो घर चलो अभियान एवं समरसता दिवस कार्यक्रम भाजपा नेता राजेंद्र गोलछा के मुख्य आतिथ्य एवं कार्यक्रम के प्रभारी पवन साहू, मंडल प्रभारी रवि शंकर दुबे की उपस्थिति में संपन्न हुआ। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के योजनाओं की समीक्षा ग्रामीणों से चर्चा के साथ की गई। इस दौरान विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित लगभग 37 हितग्राहियों को श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया।

इसके साथ कुछ हितग्राहियों के प्रधानमंत्री आवास पहुंच कर सम्मान किया गया। योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिख रहा है। जनजीवन में बदलाव का अनुभव ग्रामीण कर रहे हैं। यह प्रतिक्रिया ग्रामीणों ने दी। सर्वप्रथम संविधान के निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर के जयंती पर उनके तैल चित्र पर दीप प्रज्वलित कर एवं माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। इस दौरान राष्ट्र के प्रति संविधान के निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर के योगदान को स्मरण किया गया। कार्यक्रम में शक्ति केंद्र प्रभारी नारद साहू, बुथ अध्यक्ष शिशुपाल कश्यप, संत साहू, कालूराम साहू, संत कुमार निर्मलकर, किसन मिश्रा, बालक राम सेन, कीर्तन निषाद, कंस कुमार, गुहा राम साहू, साहनु राम, लक्ष्मीण साहू, चंद्रकला, कुलेश्वरी साहू, उमा साहू, जानकी साहू, उर्मिला तोड़ेड़, सीताबाई, पुष्पाबाई, ललिता साहू, विमला निषाद सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

ब्रह्मकुमारीज़ का ग्राम सोरम में गीता ज्ञान योग प्रवचन का शुभारंभ

धमतरी। श्रीमद भागवत गीता ज्ञान यज्ञ प्रवचन कार्यक्रम प्रतिदिन 14 से 20 अप्रैल तक दोपहर 3.30 से शाम 5.30 तक चलने वाले गरिमामय आयोजन दुर्गा चौक ग्राम सोरम जिला धमतरी में किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम के दिव्य प्रवचनकर्ता योग शक्ति ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी मधु दीदी के द्वारा प्रथम दिवस भगवद गीता की रचना, कौरव-पांडव जन्म की कहानी और पात्रों का आध्यात्मिक परिचय दिया। इस कार्यक्रम के दिव्य उद्घाटन के मुख्य अतिथि श्याम सुंदर सिन्हा सरपंच ग्राम पंचायत सोरम, नरेंद्र साहू उप सरपंच, गोवर्धन निषाद ग्राम प्रमुख, जगन्नाथ साहू ग्राम पटेल, विशिष्ट अतिथि तथा ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी सरिता दीदी संचालिका ब्रह्मकुमारीज जिला धमतरी अति विशिष्ट अतिथि थे। बी के सरिता द्वारा इस कार्यक्रम के महत्व एवं वर्तमान में गीता को हम जीवन में कैसे आत्मसात करें विषय पर विस्तार पूर्वक जानकारी उपस्थित ग्रामवासियों को दी। मंच पर उपस्थित सभी अतिथिजनों ने इस कार्यक्रम को ग्राम सोरम ही नहीं अपितु आसपास के गांववासियों के लिए एक ईश्वरीय उपहार बताते हुए ऐसे आयोजन के उपयोगिता और महत्व को एक स्वर में स्वीकार करते हुए ग्रामवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर लाभ लेने की अपील की तथा हार्दिक शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का कुशल संचालन ब्रह्माकुमारी साधना बहन ने तथा आभार प्रदर्शन ब्रह्माकुमारी आरती बहन ने किया।

बाबा साहब का जीवन संघर्ष और सामाजिक न्याय का प्रतीक : रंजना साहू

धमतरी। सर्व अनुसूचित जाति-जनजाति संयुक्त मोर्चा, जिला धमतरी के तत्वावधान में दानीटोला स्थित डॉ अंबेडकर मंगल भवन में भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। उपस्थित समाजजनों ने बाबा साहब के योगदान को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अतिथि उद्बोधन में रंजना साहू ने कहा कि बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा और सामाजिक न्याय का प्रतीक है। सदैव अंबेडकर ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक अधिकार पहुंचाने का जो

कार्य किया, वह प्रेरणादायक है। साहू ने आगे कहा कि समरसता, समानता और न्याय का उनका संदेश केवल एक वर्ग के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण मानव समाज के लिए है। हमें उनके विचारों को अपने जीवन में अपनाकर समाज में एकता और भाईचारे को मजबूत करना चाहिए। साथ ही उन्होंने युवाओं से शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाने और समाज के उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज प्रमुख ज्ञानिकराम रामटेके ने कहा कि बाबा साहब ने समाज के दबे-कुचले वर्ग को मुख्यधारा में लाने का जो ऐतिहासिक कार्य किया, वह सदैव याद रखा जाएगा। आज हमें जरूरत है कि हम उनके आदर्शों पर चलकर समाज में फैली असमानता और भेदभाव को समाप्त करें तथा एक समतामूलक समाज के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने आयोजन में शामिल सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए ऐसे कार्यक्रमों को सामाजिक जागरूकता का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज प्रमुख, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। उपस्थित सभी ने बाबा साहब के विचारों को आत्मसात करने और समाज में समरसता स्थापित करने का संकल्प लिया। आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया गया तथा बाबा साहब की जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य घनेश्वरी साहू, जनपद सदस्य एवं भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अनिता मुकेश यादव, भाजपा महिला मोर्चा मंत्री पवित्रा दीवान, पालन राम मेश्राम, दीपक बैघ, राकेश रंगारी, वर्षा बैघ, सुनीता गजबेर, रोमी गजबीर, गणेश खापर्डे, राकेश बैघ सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कृषकों को संतुलित उर्वरक एवं जल संचयन के बारे में दी गई जानकारी

बलौदाबाजार। विकासखंड भाटापारा में कृषकों के लिए संतुलित उर्वरक एवं जल संचयन से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषकों को संतुलित उर्वरक प्रयोग कर कल्चर, बायोफर्टिलाइजर के उपयोग एवं जल संचयन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कृषि विकास अधिकारी अवधेश उपाध्याय ने बताया कि संतुलित उर्वरक उपयोग से जहां उत्पादन में वृद्धि होती है, वहीं भूमि की उर्वरा शक्ति भी बनी रहती है। शासन के निर्देशानुसार रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने के उद्देश्य से जैव उर्वरक एवं हरी खाद के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि मिट्टी की उर्वरता क्षमता बढ़े और किसानों की लागत में कमी आए। नील हरित काई धान फसल हेतु नाइट्रोजन का उत्तम स्रोत है, जो 25-30 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर नाइट्रोजन की पूर्ति करता है। यह हवा से नाइट्रोजन का स्थिरीकरण कर मिट्टी की उपजाऊ शक्ति बढ़ाती है, जिससे

रासायनिक यूरिया की बचत होती है और उपज में 5-10 प्रतिशत वृद्धि होने की संभावना रहती है। इसके उपयोग से मृदा में कार्बनिक पदार्थों तथा अन्य पौध वृद्धि वर्धक रसायनों जैसे ऑक्सिन, जिबरेलिन, फाइटोहॉर्मोन, इण्डोल एसिटिक एसिड आदि की मात्रा में वृद्धि होती है, जिससे मृदा की जल धारण क्षमता में सुधार होता है। धान की खेती में नील हरित काई का उपयोग ब्यासी एवं रोपा पद्धति दोनों में लाभदायक होता है। धान की ब्यासी स्थिति में चलाने के बाद अथवा रोपा वाले खेत में धान के पौधों को रोपने के 6 से 10 दिन के भीतर, नील हरित काई के 12-15 किलोग्राम सूखे चूर्ण को पूरे खेत में छिड़ककर उपयोग किया जाता है।

कांग्रेस द्वारा मनाई गई बाबा साहब भीम राव अंबेडकर की 135 वी जयंती

तिल्दा-नेवरा। वार्ड क्रमांक 4 स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक में कांग्रेस कमेटी के द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तिलक लगाया तथा उनके विचारों को याद करते हुए पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने बाबा साहब के बहुआयामी व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें समाज के हर शोषित वर्ग का मसीहा बताया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब एक महान विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, शिक्षाविद, दार्शनिक, लेखक, पत्रकार और समाज सुधारक थे। उन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और समाज में व्याप्त छुआछूत तथा भेदभाव के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। श्रमिकों, किसानों और महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए उनके योगदान को भी याद किया गया।वक्ताओं ने यह भी कहा कि बाबा साहब ने पाखंडवाद और जातिवाद के खिलाफ आवाज उठाते हुए समाज में समानता, सामाजिक न्याय और अधिकारों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया। भारतीय संविधान के निर्माता के रूप में उनका योगदान देश के लिए अमूल्य है, जिसने हर नागरिक को समान अधिकार और सुरक्षा प्रदान की।

संक्षिप्त समाचार

जशपुर में बड़ी कार्रवाई: 112 किलो गांजा जब्त, दो अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध गांजा बरामद किया है। इस दौरान दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जो ओडिशा से गांजा लेकर उत्तर प्रदेश ले जा रहे थे। जब्त गांजे की कीमत करीब 54 लाख रुपये आंकी गई है, जबकि वाहन समेत कुल जब्ती लगभग 56 लाख रुपये बताई जा रही है। यह मामला पत्थलगांव थाना क्षेत्र का है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ओडिशा के संबलपुर से गांजे की बड़ी खेप छत्तीसगढ़ के रास्ते उत्तर प्रदेश भेजी जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मुख्य मार्ग पर नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहन की निगरानी शुरू की। दोपहर करीब 2 बजे एक संदिग्ध टोयोटा कार को रोकने की कोशिश की गई, लेकिन चालक ने वाहन को तेज गति से भगाने का प्रयास किया। पुलिस ने पीछा किया, जिसके दौरान कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने नाले में फंस गई। इसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया। वाहन की तलाशी में पुलिस को 7 प्लास्टिक बोरियों में छिपाकर रखे गए 108 पैकेट गांजा मिले, जिनका कुल वजन 112 किलो 770 ग्राम था। आरोपियों के पास इस संबंध में कोई वैध दस्तावेज नहीं पाए गए। पुलिस ने गांजा और वाहन को जब्त कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संजीव कुमार नट (30 वर्ष), निवासी इटावा (उत्तर प्रदेश) और विजय पंडित (28 वर्ष), मूल निवासी वैशाली (बिहार) व वर्तमान में लोनावला, पुणे में रहने वाले के रूप में हुई है। पूछताछ में उन्होंने बताया कि गांजा संबलपुर से खरीदा गया था और इसे उत्तर प्रदेश पहुंचाना था। दोनों के खिलाफ पत्थलगांव थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(क)(2)(इ) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्हें कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस अब इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है। अधिकारियों ने बताया कि जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और आगे भी ऐसी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

हदें पार कर घर पहुंचा दरिंदा, धमकी और जबरदस्ती, अब सलाखों के पीछे!

रायपुर। जिले के थाना घुमका क्षेत्र में एक सनसनीखेज छेड़छाड़ और जबरदस्ती का मामला सामने आया जहां एक युवक ने हदें पार करते हुए पीड़िता का पीछा कर उसके घर तक पहुंचकर जबरदस्ती करने की कोशिश की लेकिन पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने आरोपी को आखिरकार सलाखों के पीछे पहुंचा दिया, घटना 30 मार्च 2026 की है जब पीड़िता अपने घर में मौजूद थी तभी आरोपी अजय दास मानिकपुरी, उम्र 23 वर्ष, निवासी भठली थाना साल्हेवारा जिला केसीजी, उसका पीछा करते हुए घर के बाहर पहुंच गया और चल मेरे साथ कहकर जबरदस्ती करने लगा, विरोध करने पर आरोपी ने गंदी-गंदी गालियां दीं, पीड़िता के हाथ और बांह पकड़कर जबरन शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की और मना करने पर जान से मारने की धमकी तक दे डाली, डरी-सहमी पीड़िता ने पूरी घटना अपने परिजनों को बताई और अगले ही दिन 31 मार्च को अपनी मां के साथ थाना घुमका पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई, मामला महिला से जुड़ा और गंभीर होने के कारण तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया, पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर और एसडीओपी डोंगरगांव श्रीमती मंजूलता बाज के निर्देशन में थाना घुमका पुलिस ने तेजी से आरोपी की तलाश शुरू की, मुखबिर और पतासाजी के आधार पर पुलिस टीम ने ग्राम भठली में दबिश देकर आरोपी को हिरासत में लिया, पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया जिसके बाद 14 अप्रैल 2026 को उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय राजनांदगांव में पेश किया गया, इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विजय मिश्रा सहित पुलिस टीम की सक्रिय भूमिका रही, इस घटना ने एक बार फिर दिखाया कि महिलाओं के खिलाफअपराध पर पुलिस की सख्ती लगातार बढ़ रही है ।

अंतिम नोटिस के बाद भी बकाया अदा नहीं करने पर तत्काल किया सीलबंद

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के आदेशानुसार और अपर आयुक्त राजस्व कृष्णा खटीक, उपायुक्त राजस्व जागृति साहू और जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल के निर्देशानुसार एवं नगर निगम जोन 8 सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सेल के मार्गनिर्देशन और राजस्व निरीक्षक राजेश मिश्रा, सहायक राजस्व निरीक्षक नरेन्द्र ठाकुर, खगेंद्र सोनी, राम कुमार औसर की उपस्थिति में नगर पालिक निगम जोन 8 की राजस्व विभाग की टीम द्वारा नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 अंतर्गत वीर सावरकर नगर वार्ड कमांक 1 और पण्डित जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 क्षेत्र अंतर्गत 8 बडे बकायादारों द्वारा विगत कई वर्षों से बकाया राशि नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा डिमांड बिल डिमांड नोटिस एवं अंतिम नोटिस जारी करने के उपरांत भी नगर निगम जोन 8 राजस्व विभाग को बकाया राशि अदा नहीं।

प्रदेश में सहकारी समितियों की संख्या बढ़कर हुई 2 हजार 573

किसानों को आसानी से मिलेगी खाद,बीज और ऋण की सुविधा

- सहकार से समृद्धि के संकल्प को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित होंगे नवगठित पैक्स : मुख्यमंत्री
- मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नवगठित 515 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों का किया वर्चुअल शुभारंभ

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित मंत्रालय महानदी भवन से प्रदेश की नवगठित 515 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) का वर्चुअल शुभारंभ किया।उन्होंने इसे प्रदेश के किसानों के लिए बड़ी सौगात बताते हुए कहा कि सहकार से समृद्धि के संकल्प को साकार करने की दिशा में यह कदम ऐतिहासिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन नई समितियों के शुरू होने से अब पूरे प्रदेश में सहकारी समितियों की संख्या बढ़कर 2 हजार 573 हो गई है। उन्होंने प्रदेश के अन्नदाता किसानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार खेती-किसानी में आधुनिक तकनीक और सहकारिता के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा दे रही है, ताकि गांव और किसान समृद्ध बन सकें। उन्होंने बताया कि अब पैक्स समितियां बहुउद्देश्यीय सोसायटी के रूप में कार्य करेंगी, जिससे किसानों को खाद, बीज और अल्पकालीन ऋण जैसी सुविधाएं उनके गांव के पास ही उपलब्ध होंगी। साथ ही धान बेचने की प्रक्रिया भी आसान होगी और किसान अपनी नजदीकी समिति में ही धान बेच सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पहले से कार्यरत 2058 समितियों को बेहतर सेवाएं देने के लिए कंप्यूटरीकृत किया गया है और इनमें

माइक्रो एटीएम भी लगाए गए हैं, जिनसे किसान 20 हजार रुपये तक की राशि निकाल सकते हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि नवगठित 515 समितियों में से 197 समितियां आदिवासी क्षेत्रों में स्थापित की गई हैं, जिससे दूर-दराज के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि ये समितियां केवल खाद-बीज वितरण तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि भविष्य में दुग्ध उत्पादन, मछली पालन जैसे सहायक कृषि गतिविधियों से भी जुड़ेंगी। साथ ही समितियों में लोक सेवा केंद्र भी शुरू किए जाएंगे, जहां एक ही स्थान पर 25 से अधिक सरकारी सेवाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री ने किसानों से अपील की कि वे इन समितियों के सदस्य बनकर इसका अधिकतम लाभ उठाएं और इनके संचालन में सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप वर्चुअल उपस्थित रहे, साथ ही कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव, पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, रोजगार एवं कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी श्री केदारनाथ गुप्ता, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत तथा सचिव सहकारिता श्री सी.आर. प्रसन्ना, सहकारिता विभाग के प्रबंध संचालक श्री के.एन. कांडे सहित विभिन्न जिलों से लगभग 2500 जनप्रतिनिधिगण, किसान और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में स्थायी डीजीपी को लेकर सरकार पशोपेश...

- अरूणदेव गौतम और हिमांशु गुप्ता में से किसी एक को बनाना होगा डीजीपी

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में पुलिस विभाग में पुलिसमहानिदेशक डीजीपी के पद को लेकर इससमय कांटे की टक्कर चल रही है। इसके चलते शासन कोई निर्णय नहीं ले पा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस मुख्यालय में कार्यवाहक डीजीपी अरूण देव गौतम के कार्यशैली को लेकर यहां तीखी आलोचना हो रही है। वहीं थानों से लेकर जिला मुख्यालय तक आवश्यक कामकाज प्रभावित हो रही है। थानों में कई छोटे मोटे काम नहीं हो पा रहे है। जिसके चलते निर्माण कार्य से लेकर अन्य कार्य नहीं हो पा रहे है। केंद्र शासन ने डीजीपी के लिए जो मापदंड बनाये गये थे। उसे हटा दिया गया है। पहले 30 वर्ष की सेवा वाले आईपीएस को डीजीपी बनाया जाता था अब इसे घटाकर 25 कर दिया गया है। इस समय पुलिस मुख्यालया में चर्चा है कि जिसके माथे में डीजीपी बनना होगा। वहीं डीजीपी बनेगा। इसके पहले भी गिरधारी नायक के होते हुए भी अमरनाथ उपाध्याय डीजीपी बन गये। अशोक जूनेजा 29 साल की सर्विस में डीजीपी बनाने का परमिशन ले लिया। अब 2001 बैज के आईपीएस अधिकारी दावेदार हो जाएंगे। जिसमें प्रदीप गुप्ता अमित कुमार और विवेकानंद प्रमुख है। सरकार ने 30 साल की सर्विस को मान्य करते हुए तीन अफ सरों के नाम यूपीएससी को भेज दिया था इसमें दो का काम ही भेजा गया है जिसमें अरूण देव गौतम और हिमांशु गुप्ता प्रमुख है। अरूण देव गौतम टूर में जशपुर जिले में काम कर चुके है इसलिए मुख्यमंत्री तथा उनके लल्लूरंजन को अच्छी तरह जानते है। इसलिए उनके बनने के आसार है। जिसके चलते अब कार्यवाहक डीजीपी अरूणदेव गौतम को ही स्थायी डीजीपी बनाने का प्रयास चल रहा है।

रायपुर में पोषण पखवाड़ा के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रायपुर। आयुष मंत्रालय भारत सरकार एवं संचालनालय (आयुष), छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. स्वाति रावत के नेतृत्व में रायपुर जिले में 9 अप्रैल से 23 अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से संचालित किया जा रहा है।पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत जिले के समस्त आयुष चिकित्सकों द्वारा विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इनमें पोषक आहार संबंधी प्रदर्शनी एवं काउंसलिंग, बच्चों, किशोरी बालिकाओं, गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं को संतुलित आहार के महत्व की जानकारी, कुपोषण के दुष्प्रभाव एवं उससे बचाव के उपायों पर मार्गदर्शन शामिल है।

भारत रत्न डॉ. अम्बेडकर की जयंती पर भाजपा ने किया नमन

अम्बेडकर ने समानता, शिक्षा और अधिकारों की नई चेतना भी जगाइ

- भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल एवं प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने पुष्पांजलि अर्पित की

रायपुर । संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने डॉ. अम्बेडकर के छाया चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रध्दासुमन अर्पित किया। डॉ. अम्बेडकर ने समानता, शिक्षा और अधिकारों की नई चेतना भी जगाई : जम्वालभाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने इस अवसर पर कहा कि भारत के संविधान और सामाजिक न्याय के इतिहास में डॉ. अम्बेडकर का योगदान प्रेरणादायक है। उन्होंने न केवल संविधान निर्माण की प्रक्रिया का नेतृत्व किया, बल्कि समाज में समानता, शिक्षा और अधिकारों की नई चेतना भी जगाई। श्री जम्वाल ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर का जीवन सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी ज्ञान से बदलाव लाया जा सकता है। उनका मानना था कि शिक्षा ही वह सबसे बड़ा हथियार है, जिससे समाज को बदला जा सकता है। उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज में समानता, न्याय और शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित किया।बाबा साहेब ने सामाजिक न्याय, महिलाओं के अधिकार और आर्थिक समानता पर जोर दिया : देवभाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने समाज में शिक्षा की अलख जगाई।

भारत की जनगणना 2027: बदलते भारत की नई कहानी

- हमारी जनगणना-हमारा विकास' के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ तैयार

रायपुर। संवाददाता

क्या आपने कभी सोचा है कि आपके घर की छोटी-सी जानकारी—जैसे पानी, बिजली या परिवार के सदस्यों का विवरण—देश के विकास में कितना बड़ा योगदान दे सकती है? दरअसल, हर नागरिक की दी गई जानकारी मिलकर ही भारत के भविष्य की दिशा तय करती है। इसी कड़ी में वर्ष 2027 की जनगणना एक खास पड़ाव बनने जा रही है। यह केवल एक सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि बदलते भारत की एक नई कहानी है—एक ऐसी कहानी जिसमें हर नागरिक की भागीदारी है। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल अंदाज़ में होगी, जो इसे पहले की सभी जनगणनाओं से अलग और अधिक आधुनिक बनाती है। छत्तीसगढ़ में इस महाअभियान को लेकर तैयारियाँ तेज़ी से पूरी की जा रही हैं। वातावरण ऐसा है मानो कोई बड़ा जनउत्सव आने वाला हो—और वास्तव में, यह एक ऐसा अभियान है जिसमें हर व्यक्ति की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। कहानी शुरू होती है इतिहास से भारत में जनगणना की शुरुआत 1872 में हुई थी और 1881 से इसे पूरे देश में व्यवस्थित रूप से लागू किया गया। स्वतंत्रता के बाद 1951 में पहली जनगणना आयोजित हुई, जिसने देश के विकास की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाई। अब वर्ष 2027 की जनगणना इस ऐतिहासिक यात्रा का आधुनिक रूप है। यह न केवल देश की वर्तमान स्थिति का आकलन करेगी, बल्कि भविष्य की योजनाओं की नींव भी तैयार करेगी। छत्तीसगढ़ में यह प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होगी—पहला चरण अप्रैल-मई 2026 में और दूसरा फरवरी-मार्च 2027 में आयोजित किया जाएगा।राज्य के लिए संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 (रात 12 बजे) निर्धारित की गई है, जिसके आधार पर प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी। अब आपकी बारी: खुद करें अपनी जनगणना! पोर्टल पर जाकर मोबाइल नंबर और हक्क के माध्यम से लॉगिन कर यह प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। आपसे परिवार के सदस्यों की संख्या, उनकी आयु, शिक्षा, व्यवसाय और घर की सुविधाओं से जुड़े कुछ सरल प्रश्न पूछे जाएंगे।

टीकम वर्मा ने जीता शतरंज प्रतियोगिता का खिताब

रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब खेल मड़ई-2 (इंडोर गेम) के तहत आयोजित स्व. योगेश यदु स्मृति शतरंज प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला रोमांच और उच्च स्तरीय खेल का शानदार उदाहरण बना। मंगलवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में टीकम वर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शिवम दुबे को पराजित कर खिताब पर कब्जा किया। फाइनल मुकाबले की शुरुआत संतुलित अंदाज में हुई। दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती चरण में सावधानीपूर्वक चालें चलते हुए अपने मोहरों को आगे बढ़ाया। करीब आधे घंटे तक चले मुकाबले में शिवम दुबे खेल के मध्य में टीकम पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन टीकम वर्मा ने धैर्य और सूझबूझ का परिचय देते हुए संतुलित चालें चलीं। निर्णायक मोड़ तब आया जब टीकम वर्मा ने एक प्रभावशाली संयोजन के जरिए बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद एंडगेम में उन्होंने अपनी बढ़त को मजबूती से कायम रखते हुए शिवम को वापसी का मौका नहीं दिया। सटीक गणना और रणनीतिक समझ के दम पर टीकम ने मुकाबला अपने नाम कर लिया और प्रतियोगिता का खिताब जीत लिया। मुकाबले के दौरान प्रेस क्लब सदस्यों में खासा उत्साह रहा। मैच के निर्णायक विजय मिश्रा, शंकर चंद्राकर व विनय घाटगे रहे। मैच के दौरान प्रेस क्लब कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, सुखनंदन बंजारे, संजय वर्मा, विनोद कुमार, पंकज चौहान समेत बड़ी संख्या में प्रेस क्लब सदस्य मौजूद रहे।

साय सरकार की पहल से सशक्त हुई महिलाएं,हमेश्वरी राठौर बनीं लखपति दीदी

- एक सामान्य ग्रामीण महिला से आत्मनिर्भर उद्यमी बनने तक का उनका सफर संघर्ष, साहस और सफलता की मिसाल है

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयास अब सार्थक परिणाम दे रहे हैं। इसका प्रेरक उदाहरण गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत लालपुर की श्रीमती हमेश्वरी राठौर हैं, जो आज लखपति दीदी के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। एक सामान्य ग्रामीण महिला से आत्मनिर्भर उद्यमी बनने तक का उनका सफर संघर्ष, साहस और सफलता की मिसाल है। हमेश्वरी राठौर रिद्धी-सिद्धी स्वसहायता समूह से जुड़ीं, जहां उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत आर्थिक सहयोग और प्रशिक्षण मिला। समूह के माध्यम से उन्होंने 5 लाख 50 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया, जो उनके जीवन में परिवर्तन का आधार बना। इस राशि का उपयोग उन्होंने कृषि और छोटे व्यवसाय को विकसित करने में किया। सब्जी उत्पादन को मुख्य आय का स्रोत बनाते हुए उन्होंने टमाटर, गोभी, अदरक, बरबट्टी और हल्दी जैसी फसलों की खेती शुरू की। साथ ही, उन्होंने सेंटरिंग प्लेट का कार्य भी शुरू किया, जिससे उनकी आय के अतिरिक्त स्रोत बने। शुरुआती दौर में मौसम की अनिश्चितता, बाजार की चुनौतियां और लागत जैसी कठिनाइयां सामने आईं, लेकिन विष्णुदेव साय सरकार की योजनाओं से मिले मार्गदर्शन और स्वसहायता समूह के सहयोग ने उन्हें निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। अपने परिश्रम और दृढ़ निश्चय के बल पर उन्होंने हर बाधा को पार किया। आज हमेश्वरी राठौर की वार्षिक आय लगभग डेढ़ से दो लाख रुपये तक पहुंच चुकी है, जिसने उन्हें लखपति दीदी बना दिया है। उनकी सफलता ने न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है, बल्कि वे क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन गई हैं। हमेश्वरी राठौर की यह उपलब्धि दर्शाती है कि विष्णुदेव साय सरकार की महिला-केंद्रित योजनाएं और स्वसहायता समूहों का सशक्त नेटवर्क ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है।

ई-ऑफिस से परिलक्षित हो रही है श्रेष्ठ कार्य संस्कृति

मंत्रालय में ई-ऑफिस एवं बायोमेट्रिक अटेंडेंस के लिए श्रेष्ठ कर्मचारियों को किया गया सम्मानित.....

रायपुर/ संवाददाता

मुख्य सचिव श्री विकासशील ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में मंत्रालयीन अधिकारी-कर्मचारियों को ई-ऑफिस पर श्रेष्ठ कार्य करने एवं बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने के लिए श्रेष्ठ कर्मचारियों को सम्मानित किया। मुख्य सचिव ने कहा है कि मंत्रालय में सभी अधिकारी-कर्मचारी ई-ऑफिस पर बढ़-चढ़कर काम कर रहें हैं। इससे अच्छी कार्य संस्कृति परिलक्षित हो रही है, वहीं पर अधिकारी-कर्मचारी कार्यालयीन समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहें हैं। इससे मंत्रालय में समयबद्धता में सुधार आया है। मुख्य सचिव ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों से कहा है कि वे समय पर मंत्रालय में उपस्थित होकर अपनी बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराएं,

जिससे आगामी दिनों में शत् प्रतिशत समयबद्धता देखी जा सकेगी। मुख्य सचिव ने मंत्रालय में ई-फाईल सिस्टम के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण की आवश्यकता बतायी। अतः उन्होंने सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन कर्मचारियों-अधिकारियों को ट्रेनिंग की आवश्यकता है, उन्हें एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार कर प्रशिक्षित करना सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने आज यहां मंत्रालय में विभिन्न श्रेणीयों में ई-ऑफिस, बायोमेट्रिक उपस्थिति और ई-फाईल प्रणाली में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। इसमें संयुक्त सचिव स्तर के आदिवासी विकास विभाग के प्रथम स्थान पर संयुक्त सचिव श्री भूपेन्द्र कुमार राजपूत, दूसरे स्थान पर लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त सचिव श्री सत्यनारायण श्रीवास्तव, तीसरे स्थान पर आदिम जाति विकास विभाग के संयुक्त सचिव श्री अनुपम त्रिवेद्वी को सम्मानित किया गया। उप सचिव स्तर के अधिकारियों में प्रथम स्थान पर जीएडी के श्री किशोर कुमार भूआर्य, दूसरे स्थान पर वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के श्री दुर्देशी राम सोनटापर, तीसरे स्थान पर गृह विभाग के श्रीकांत वर्मा को सम्मानित किया गया। अवर सचिव स्तर के अधिकारियों में प्रथम स्थान पर जीएडी के श्री कैलाश कुमार नेताम रहें। द्वितीय स्थान पर वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के श्री एम.एल.पवार, तृतीय स्थान पर गृह विभाग के पूरन लाल साहू रहे।

संपादकीय

युद्ध में हुए भीषण हमलों पर मानवीयता के प्रश्न पीछे छूट गए

अभी युद्ध को लेकर जिस तरह की जिद देखी जा रही है, उससे किस तरह का समाधान निकाला जा सकता है। व्यापक पैमाने पर विनाश के बाद जब युद्ध थमेगा, तब किसी भी तरह के समाधान की कीमत क्या होगी?ईरान पर इजरायल और अमेरिका के हमले के बाद शुरू हुए युद्ध को अब एक महीना से ज्यादा हो चुका है, लेकिन अब भी तनाव और टकराव की आक्रामकता में कोई कमी नहीं देखी जा रही है। बीच-बीच में युद्ध विराम की बात उठती है और अगले ही दिन पहले से ज्यादा तीव्रता वाले हमलों के बीच गुम होकर रह जाती है। 8 अप्रैल को सीजफायर की घोषणा हुई थी पर हमले अभी भी जारी है। पिछले दिनों अमेरिका ने ईरान के खर्ग द्वीप पर फिर हमला किया। इसके अलावा, ईरान के अल्बोर्ज प्रांत में हुए ताजा हवाई हमले में कम से कम अठारह लोगों की मौत हो गई। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस धमकी ने वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ा दी है कि अगर ईरान मंगलवार रात आठ बजे तक होर्मुज जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही पूरी तरह बहाल नहीं करता है, तो उसके सभी बिजली संयंत्रों और पुलों पर बमबारी की जाएगी।सवाल है कि क्या अमेरिका को इस बात की फिक्र है कि नागरिक ढांचों पर होने वाले हमलों को युद्ध अपराधों के दायरे में देखा जा सकता है। ईरान में हमले की वजह से एक स्कूल की कई बच्चियों की मौत को लेकर पहले ही अमेरिका-इजरायल के रवैये पर तीखे सवाल उठ चुके हैं। ऐसा लगता है कि इस युद्ध में हमले के ठिकाने चुनने के मसले पर मानवीयता के प्रश्न पीछे छूट गए हैं।जहां इजराइल और अमेरिका की ओर से ईरान पर मिसाइल की मार करने से लेकर बमबारी करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है, वहीं ईरान ने भी इजराइल सहित मध्य-पूर्व के देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमला करने में कोई कमी नहीं की है। इससे इतर युद्ध की वजह से मध्य-पूर्व के समूचे प्रभावित इलाके में जिस पैमाने पर कच्चे तेल का उत्पादन और उसका कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है, उसका असर समूची दुनिया पर किसी न किसी रूप में पड़ रहा है। बहुत सारे देशों में तेल, गैस और खाद की आपूर्ति बाधित हुई है।विडंबना यह है कि यह सब देखने-समझने के बावजूद युद्ध को खत्म करने या कम से कम कुछ दिनों के विराम की बात भी ठोस तरीके से सिरा नहीं पकड़ रही है। एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति आए दिन ईरान में सब कुछ नष्ट कर देने की धमकी देते हैं, तो दूसरी ओर ईरान इसका जवाब देने की बात करता है।तनाव के स्वरूप का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि ईरान ने पैंतालीस दिन के युद्धविराम के प्रस्ताव को खारिज कर दिया और कहा कि वह युद्ध की स्थायी और पूर्ण समाप्ति तथा फिर से ईरान पर आक्रमण नहीं किए जाने की गारंटी चाहता है। एक तरह से ईरान की इस मांग को समझा जा सकता है कि कूटनीतिक प्रयासों की सार्थकता तभी है, जब किसी भी वार्ता के माध्यम से स्थायी समाधान तक पहुंचा जा सके।अगर हल निकालने के लिए चल रही बातचीत में कोई तात्कालिक आश्वासन दिया जाता है और उसमें विश्वसनीयता की कमी होगी, तो ऐसे प्रयास युद्ध के मूल कारणों को दूर करने में नाकाम रहेंगे। बल्कि इसके विपरीत नतीजे भी निकल सकते हैं। जाहिर है, कुछ समय के युद्धविराम की गुंजाइश निकालने के बजाय संघर्ष को पूरी तरह खत्म करने के उपायों पर पहुंचने के उद्देश्य से बिना देर किए शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

भरोसे की ताकत- सफलता में उलझी छोटी गलतियों को पकड़ता है हमारा मन

हमारा मस्तिष्क अचानक एक जासूस की भूमिका निभाते हुए पूरे घटनाक्रम का विश्लेषण करने लगता है। वह बार-बार उसी एक पल पर अटक जाता है, जहां कुछ 'अधूरा' रह गया था- 'मैं उस समय क्यों हिचकिचाया? क्या मैं और बेहतर बोल सकता था?' भले ही हमारी सफलता सौ फीसद रही हो, लेकिन दिमाग न जाने क्यों उस एक फीसद की 'खामी' को ढूंढ़ निकालता है। यह स्थिति एक ऐसे मानसिक भ्रम की रचना करती है, जो हमारी पूरी सफलता की चमक को सोखने लगती है।

(अनंतपद्मनाभन)

मानव मन एक अद्भुत पहेली है, जो एक क्षण में ब्रह्मांड की सीमाओं को लांघ सकता है और दूसरे ही पल एक छोटी-सी आशंका के पिंजरे में कैद हो सकता है। हम कल्पना करें कि हमने अभी-अभी कोई महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया है। चारों ओर प्रशंसा के शब्द गूंज रहे हैं और हमें सम्मान मिल रहा है। सफलता के उस शिखर पर मन में केवल संतोष होना चाहिए, लेकिन जैसे ही शोर थमता है और हम खुद के साथ होते हैं, तो हमारा मन शांत होने के बजाय एक अजीब-सी उथल-पुथल में घिर जाता है।

हमारा मस्तिष्क अचानक एक जासूस की भूमिका निभाते हुए पूरे घटनाक्रम का विश्लेषण करने लगता है। वह बार-बार उसी एक पल पर अटक जाता है, जहां कुछ 'अधूरा' रह गया था- 'मैं उस समय क्यों हिचकिचाया? क्या मैं और बेहतर बोल सकता था?' भले ही हमारी सफलता सौ फीसद रही हो, लेकिन दिमाग न जाने क्यों उस एक फीसद की 'खामी' को ढूंढ़ निकालता है। यह स्थिति एक ऐसे मानसिक भ्रम की रचना करती है, जो हमारी पूरी सफलता की चमक को सोखने लगती है।

दरअसल, बरसों से हमारे दिमाग को गलतियां ढूंढने और जोखिमों की पहचान करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। जब हम दिन भर समस्याओं को सुलझाने और खुद को त्रुटिहीन बनाने की दौड़ में लगे रहते हैं, तो वही तेज दिमाग घर आने के बाद भी अपनी गति को नियंत्रित करना भूल जाता है। यह नकारात्मक चिंतन का एक चक्र है, जो हमारे निजी रिश्तों और खुशियों में दखल देने लगता है।

हमें लगता है कि हम 'सुधार' के बारे में सोच रहे हैं, लेकिन वास्तव में यह मन को थकाने वाला एक व्यर्थ चक्र है। इतिहास गवाह है कि बड़े-बड़े विद्वानों का मन भी कभी-कभी उनका साथ छोड़ देता था। आधुनिक विज्ञान के आधार स्तंभ सर आइजैक न्यूटन अक्सर छोटी-छोटी आलोचनाओं पर हफ्तों तनाव में रहते थे। न्यूटन का मस्तिष्क ब्रह्मांड के रहस्यों को तो सुलझा लेता था, लेकिन स्वयं की शांति बनाए रखना उनके लिए चुनौती थी। वे अपनी खोजों को दुनिया के सामने रखने से इसलिए डरते थे कि कहीं कोई उनमें कोई कमी न निकाल दे।

इस तरह के उदाहरण स्पष्ट करते हैं कि बुद्धि एक तेज औजार की तरह है। अगर इसे सही नियंत्रण के साथ नहीं संभाला गया, तो यह स्वयं को ही चोट पहुंचा सकती है। इसी तरह, महान सिविल इंजीनियर सर एम विश्वेश्वरैया की नजर इतनी पैनी थी कि वे चलती रेलगाड़ी में केवल कंपन महसूस करके पटरी की दरार भांप लेते थे। कार्य के प्रति यह सजगता अद्भुत थी, पर इसका अर्थ यह भी था कि उनका मन हमेशा एक 'सतर्क भाव' में रहता था।

दरअसल, बरसों से हमारे दिमाग को गलतियां ढूंढने और जोखिमों की पहचान करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। जब हम दिन भर समस्याओं को सुलझाने और खुद को त्रुटिहीन बनाने की दौड़ में लगे रहते हैं, तो वही तेज दिमाग घर आने के बाद भी अपनी गति को नियंत्रित करना भूल जाता है। यह नकारात्मक चिंतन का एक चक्र है, जो हमारे निजी रिश्तों और खुशियों में दखल देने लगता है।

आज सब एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में हैं। हम अक्सर अपनी छोटी-छोटी खुशियों की अनदेखी कर देते हैं। पहले हमारी तुलना केवल करीबियों से होती थी, लेकिन आज हम अपनी तुलना पूरी दुनिया से कर रहे हैं। हम अपनी सफलताओं का जश्न मनाने के बजाय अपनी कमियों का शोक मनाने में अधिक समय बिताते हैं। आत्म-आलोचना तभी तक उपयोगी है, जब तक यह हमें आगे बढ़ने में मदद करे। जब यह आलोचना हमें मानसिक रूप से कमजोर बनाने लगे, तो इसे तुरंत रोकने का समय आ जाता है।

सच्ची आजादी इसी में है कि हम अपने मन को 'आलोचक' के बजाय एक 'दोस्त' की तरह इस्तेमाल करना सीखें। हमें अपनी समझ को रोकने की जरूरत नहीं है, बस इसे सही समय पर सही दिशा देना सीखना होगा। अगर हम किसी एक ही बात को बिना नतीजे के बार-बार सोच रहे हैं, तो यह विचार नहीं, बल्कि मन का भटकाव है। नकारात्मक विचारों को एक तटस्थ दर्शक की तरह देखना और खुद से पूछना चाहिए कि क्या उन आशंकाओं का वास्तव में कोई आधार है। जब मन जासूस बनने लगे, तो उसे याद दिलाने की जरूरत है कि हमें मिली सफलता में हमारी मेहनत का हाथ है।

यह समझना भी जरूरी है कि हमारी मानसिक ऊर्जा सीमित है। अगर हम इसे पुरानी बातों को कुरेदने में खर्च कर देंगे, तो भविष्य की नई संभावनाओं के लिए हमारे पास कुछ नहीं बचेगा। हर नया दिन एक नया अवसर होता है, और उसे कल की गलतियों की छाया में व्यर्थ करना बुद्धिमानी नहीं है। अपनी क्षमताओं को स्वीकार करना और अपनी सीमाओं के साथ शांति बनाना ही व्यक्तित्व विकास का असली आधार है। अक्सर हम दूसरों की नजरों में खुद को साबित करने की कोशिश में अपनी असली पहचान खो देते हैं। हमें याद रखना चाहिए कि दुनिया हमें वैसे ही देखेगी जैसे हम खुद को देखते हैं।

जीवन के इस सफर में स्वयं को माफ करना और अपनी उपलब्धियों का सम्मान करना सीखना चाहिए। प्रत्येक बाधा केवल एक नया सबक है, न कि हमारी योग्यता पर कोई स्थायी प्रश्नचिह्न। काम के बाद प्रकृति के करीब समय बिताना या शांत बैठना दिमाग को संदेश देता है कि अब विश्राम का समय है। खुद के प्रति उदार होना ही वह चाबी है जो हमें इस वैचारिक जेल से बाहर निकाल सकती है। हमने अपने जीवन में जो मुकाम हासिल किया है, उसे बनाने में सालों की मेहनत लगी है। उस मेहनत का मूल्य समझना चाहिए और अपनी उपलब्धियों को केवल धन-दौलत के तराजू में नहीं तौलना चाहिए।

हमारी बुद्धि एक वरदान है। इसे खुद को नुकसान पहुंचाने का हथियार नहीं बनने देना चाहिए। कमियां ढूंढ़ने वाले मन को यह सिखाना हमारी जिम्मेदारी है कि उसे कब शांत होना है। हमारी भावनाएं कोई 'गलतियां' नहीं हैं, वे हमारे जीवित होने का प्रमाण हैं। दुनिया की तमाम सफलता एक तरफ है, लेकिन हमारा आंतरिक सुकून ही हमारी सबसे असली पूंजी है। हमें व्यर्थ की चिंताओं को त्यागना चाहिए और अपनी मेहनत काबिलियत पर अडिग विश्वास बनाए रखना चाहिए।

समानता आधारित सामाजिक परिवर्तन का दर्शन

अमित राय
सामाजिक शोध अध्येता

महात्मा जोतिराव गोविंदराव फुले (1827-1890) ऐसे पहले विचारक थे जो उन्नीसवीं सदी में बौद्धिक और सामाजिक जीवन में अस्पृश्यता के मुद्दे को सबसे पहले जोरदार तरीके से सामने लाये। उन्होंने समाज में व्याप्त पवित्रता और वर्ण व्यवस्था की धारणा के आधार पर भेदभावपूर्ण सामाजिक विभाजनों की निंदा की और इसे पूरी तरह से ब्राह्मणवादी शरारत और चालाकी का उत्पाद माना और बताया कि इन्होंने ही निचले वर्गों अर्थात् शूद्रों और अतिशूद्रों का शोषण करने के लिए कुशलतापूर्वक योजना बनाई।

उन्होंने केवल सामाजिक विभेद की बात नहीं की बल्कि असमान सामाजिक संबंधों के लगभग पूरे दायरे में क्रांतिकारी परिवर्तन की वकालत की और एक नयी मानक व्यवस्था की नींव बनाने के लिए समानता, स्वतंत्रता, मानवतावाद और गरिमा के सिद्धांतों पर जोर दिया। समानता,सामाजिक परिवर्तन के फुले के दर्शन का आधार बनी। अस्पृश्यता के खिलाफ उनकी प्रतिबद्धता केवल उपदेश तक ही सीमित नहीं थी बल्कि उसे उन्होंने व्यवहारिक कार्यों में भी तब्दील किया,उन्होंने अछूत लड़कियों के लिए स्कूल खोला और अपने सार्वजनिक और निजी जीवन में अस्पृश्यता का खुला विरोध किया,ऐसा उन्होंने इतिहास के उस कालखंड में किया जब ब्राह्मणवादी कट्टरता की पहचान थी और जाति से जुड़े भेदभाव पूर्ण आचरण के लिए बहुत कम सहिष्णुता थी। संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था कठोर जाति प्रतिबंधों द्वारा शासित थी,जिसके उल्लंघन के लिए दंडात्मक प्रावधान थे। किसी व्यक्ति की स्थिति उसकी जाति पर निर्भर करती थी और यह उसके जीवन में उसकी योग्यता या उपलब्धियों से परे अपरिवर्तनीय थी। इस सामाजिक मैट्रिक्स को चुनौती देना बेहद मुश्किल हो सकता था; इसके लिए बहुत बड़ी कुर्बानियाँ देनी पड़ी और उन्होंने अपने आजीवन मिशन को हासिल करने के लिए पूरा जीवन समर्पित किया। फुले भारतीय इतिहास में पहले व्यक्ति थे जिन्होंने ब्राह्मणवाद की विचारधारा (पौराणिक कथाओं और उस पर आधारित संपूर्ण सामाजिक संरचना की पवित्रता) को जड़ से खारिज कर दिया।

महत्वपूर्ण यह है कि फुले का ध्यान सामाजिक मुक्ति के लिए किसी खास जाति पर नहीं था। वह पूरे हाशिये पर पड़े इंसानों के लिए समानता, स्वतंत्रता और गरिमा के लिए खड़े थे, चाहे वे शूद्र, अतिशूद्र, आदिवासी, किसान, महिलाएं, मजदूर, कुष्ठ रोगी, मछुआरे, चरवाहे, भिखारी या ऐसे ही दूसरे लोग हों।

फुले के जीवनी लेखक के शब्दों में, 'यह वे (जोतिराव) ही थे जिन्होंने अछूत वर्गों के बीच से नेताओं का निर्माण किया। वे अछूतों के इलाकों में जाते थे और उनमें से ऊर्जावान और बुद्धिमान लोगों को समाज में सक्रिय होने, कुछ सामाजिक कार्य करने, लिखने और बोलने के लिए प्रोत्साहित करते थे। उनके द्वारा चुने गए ऐसे लोगों में से एक गोपाल बाबा वलंगकर थे।' इसके अलावा, अछूतों, विशेषकर लड़कियों के लाभ के लिए फुले द्वारा की गई शैक्षिक पहल, पूरे उन्नीसवीं सदी के भारतीय बौद्धिक इतिहास में अभूतपूर्व थी।

फुले के विचार,उन्नीसवीं सदी के महाराष्ट्र में मुख्यधारा के सामाजिक सुधार आंदोलन से एक क्रांतिकारी प्रस्थान का प्रतिनिधित्व करते थे।

भूटान के राजा 'सकल घरेलू उत्पाद से नहीं

सकल राष्ट्रीय खुशी के सूचकांक से देश चलाते हैं'

जिन लोगों के रिश्ते सबसे खुशहाल और गर्मजोशी भरे थे, वे ही लोग सबसे लंबे समय तक स्वस्थ रहे और सबसे ज्यादा जिए। हमारी लगभग पचास फीसद खुशी एक तरह का जैविक तौर पर निर्धारित बिंदु है, जो शायद हमारी कोशिकाओं द्वारा तय होता है। इसका संबंध जन्मजात स्वभाव से है। हम ऐसे कई लोगों को जानते हैं जो स्वाभाविक रूप से उदास रहते हैं और दूसरे लोग जो स्वाभाविक रूप से खुशमिजाज होते हैं, चाहे कुछ भी हो रहा हो। यानी हमारी लगभग आधी खुशी वह जन्मजात स्वभाव है। लगभग दस फीसद हमारी मौजूदा जिंदगी की परिस्थितियों पर आधारित है। आखिरी चालीस फीसद हमारे

(मनीष कुमार चौधरी)

अगर हम आज कोई एक ऐसा चुनाव कर सकें, जिससे यह पक्का हो जाए कि हम अपनी पूरी जिंदगी खुश और स्वस्थ रहेंगे, तो हम किसका चयन करेंगे? हममें से ज्यादातर लोग सोचते हैं कि इसका कुछ लेना-देना अमीर बनने या बहुत कुछ हासिल करने से है, लेकिन हावर्ड अध्ययन के शोध बताते हैं कि दूसरे लोगों के साथ अपने रिश्तों में निवेश करना हमारी खुशी का सबसे बड़ा कारण बनता है।

जिन लोगों के रिश्ते सबसे खुशहाल और गर्मजोशी भरे थे, वे ही लोग सबसे लंबे समय तक स्वस्थ रहे और सबसे ज्यादा जिए। हमारी लगभग पचास फीसद खुशी एक तरह का जैविक तौर पर निर्धारित बिंदु है, जो शायद हमारी कोशिकाओं द्वारा तय होता है। इसका संबंध जन्मजात स्वभाव से है। हम ऐसे कई लोगों को जानते हैं जो स्वाभाविक रूप से उदास रहते हैं और दूसरे लोग जो स्वाभाविक रूप से खुशमिजाज होते हैं, चाहे कुछ भी हो रहा हो। यानी हमारी लगभग आधी खुशी वह जन्मजात स्वभाव है। लगभग दस फीसद हमारी मौजूदा जिंदगी की परिस्थितियों पर आधारित है। आखिरी चालीस फीसद हमारे नियंत्रण में है।

लोगों द्वारा की जाने वाली सबसे बड़ी गलतियों में से एक खुशी और खुशी की भावनाओं को भ्रमित करना है। खुशी कोई भावना नहीं है। भावनाएं खुशी का सबूत हैं। भावना बाहरी दुनिया के बारे में जानकारी से ज्यादा कुछ नहीं है। जो लोग सेहतमंद और खुश होते हैं, उनके जीवन में तीन तत्त्व समान हैं - आनंद, संतुष्टि और अर्थ।

आनंद एक ऐसी चीज है, जिसके बारे में लोग कम समझते हैं

आनंद एक ऐसी चीज है, जिसके बारे में लोगों को लगता है कि वे इसे समझते हैं, लेकिन अक्सर ऐसा नहीं होता। यह ऐसा कुछ नहीं है, जो वास्तव में खुशी की ओर ले जाता है। आनंद उससे कहीं अधिक जटिल है। खुशी का दूसरा सूक्ष्म तत्त्व संतुष्टि है। संतुष्टि एक वास्तविक रहस्य है, क्योंकि यह वह खुशी है जो हमें किसी चीज के लिए संघर्ष करने के बाद मिलती है। अगर हम पर्याप्त संघर्ष नहीं करते, तो यह मीठा नहीं होता।

अंतिम, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात है - अर्थ। क्या हम उन चीजों को करने के लिए पैसा खर्च करते हैं, जो हम सचमुच करना चाहते हैं? समय और पैसा आमतौर पर साथ-साथ चलते हैं, लेकिन अच्छे तरीके से नहीं। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि लोग जितना ज्यादा पैसा कमाते हैं, उन्हें लगता है कि उनके पास उतना ही कम समय है।

शोध बताते हैं कि आय आमतौर पर खुशी बढ़ाती है, लेकिन ज्यादा आय के स्तर पर इसका प्रभाव कम हो जाता है, साथ ही वित्तीय सफलता पर ध्यान केंद्रित करने से जीवन की संतुष्टि कम हो सकती है। पैसा तनाव कम करता है

और सुरक्षा प्रदान करता है, लेकिन एक बार जब हम आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस करते हैं, तो इसका प्रभाव कम हो जाता है। यह हमें सदियों पुराने सवाल पर लाता है कि क्या पैसा खुशी खरीद सकता है!

दरअसल, यह तभी हो सकता है, जब हम थोड़े पैसे से थोड़ा समय खरीद सकें। सरल शब्दों में, चाहे हम कितना भी कमाएं, चाहे हम कितने भी अमीर हों, थोड़ा समय खरीदना हमको ज्यादा खुश करता है। समय खरीदने की कुंजी यह है कि हम सोच-समझ कर तय करें कि हम अपने पैसे से जो समय बचाएंगे, उसका इस्तेमाल कैसे करेंगे।

समय खरीदना हमें तभी ज्यादा खुश करेगा, जब यह जानबूझ कर और उद्देश्यपूर्ण लगे। इसलिए नहीं कि हमारे पास समय नहीं है, बल्कि इसलिए कि हम अपने पास मौजूद समय का अलग तरह से इस्तेमाल करना चाहते हैं। एक बार किसी पत्रकार ने भूटान के राजा रहे जिग्मे सिंग्ये वांगचुक से पूछा कि आपके देश का सकल घरेलू उत्पाद इतना कम क्यों है। इस पर वांगचुक का जवाब था, 'हम सकल घरेलू उत्पाद से नहीं, सकल राष्ट्रीय खुशी यानी जीएनएच (ग्रास नेशनल हैप्पीनेस) के सूचकांक से देश चलाते हैं।'

अक्सर यह माना जाता है कि आय, धन और जीवन संतुष्टि के बीच संबंध है। यानी किसी के पास जितना अधिक पैसा होता है, वह उतना ही अधिक संतुष्ट होता है। पर यह पूरा सत्य नहीं है। एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने गरीब, छोटे पैमाने के समाजों में रहने वाले तीन हजार लोगों से उनके जीवन की संतुष्टि के बारे में सर्वेक्षण किया। परिणामों से पता चला कि इन लोगों की जीवन संतुष्टि सबसे धनी देशों में रहने वाले लोगों के बराबर है।

एक संभावित कारण यह है कि सामाजिक मेलजोल और प्रकृति का अनुभव जैसी साधारण खुशियां छोटे पैमाने के समुदायों में जीवन की संतुष्टि को बढ़ाने में एक बड़ी भूमिका निभाती हैं। इनमें से कई समाजों में भारी मुद्रीकरण नहीं होता है। सोलोमन द्वीप के रोविआना और गीजो क्षेत्रों में रहने वाले मेलानेशियन लोग दुनिया के सबसे गरीब लोगों में से कुछ हैं। ये मछली पकड़ने और खेती से अपनी जरूरतें पूरी करते हुए जीवन का निर्वाह करते हैं।

मगर वे इस भौतिक रूप से सरल अस्तित्व के बावजूद, मेलानेशियन फिनलैंड और डेनमार्क के निवासियों की तुलना में अधिक जीवन संतुष्टि व्यक्त करते हैं, जो नियमित रूप से दुनिया में सबसे खुशहाल लोगों के रूप में सुर्खियां बटोरते हैं। सच यह है कि खुश रहना इस बात पर निर्भर करता है कि अगर हम सुविधाओं और संसाधनों के बीच जीवन जीते हैं, तो क्या उन्हीं सुविधाओं के बीच जीवन-तत्त्व के लिए अनिवार्य कारकों को भूल जाते हैं या उन्हें याद रखते हैं। इस मामूली लगने वाली बात की अहमियत को नजरअंदाज करना निस्संदेह हमें सुविधाओं के बीच वास्तविक खुशी से दूर कर सकता है।

जिले के होनहार सहित अंकित सकनी हुए भीम चेतना अवार्ड से सम्मानित

सर्व समाज ने हर्षोल्लास के साथ मनाया बाबा साहब डॉ. अंबेडकर की 135वीं जयंती

बीजापुर। बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर सर्व समाज द्वारा अलग-अलग क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय में अतिथि गणों माननीय विधायक विक्रम मण्डावी एवं पूर्व मंत्री माननीय महेश गागड़ा जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा नगर पालिका उपाध्यक्ष भुवन सिंह सहित पार्षदगण सभी हर्षोल्लाह के साथ रैली निकाल कर नया बसस्टेण्ड स्थित बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया। इस दौरान कुडुक उराँव समाज द्वारा अपनी सॉस्कृतिक कला का प्रदर्शन करते हुये बाबा साहब पर आधारित लोकगीत गाते वा नृत्य करते हुये अतिथियों को स्टेचु तक लाये वा वापस मंच तक ले गये। सभी उराँव समाज की महिलाएँ बाबा साहब के पसंदीदा कलर नीले कलर का परिधान पहनी थी ।कला का प्रदर्शन सबके आकर्षण का केंद्र बना। जगदीश झाड़ी द्वारा तेलगु मे भीम गीत वा बच्चों द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया।आम सभा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में सर्व समाज के लोगों द्वारा बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रैली के दौरान लोग डीजे की धुन पर तिरकते रहे। आमसभा में समाज के बुद्धिजीवियों द्वारा बाबा साहब के जीवनी पर प्रकाश डाला और उनके दिखाए मार्ग पर चलने हेतु प्रोत्साहित किया। पूर्व वन मंत्री महेश गागड़ा ने कहा कि संविधान निर्माता, भारत रत्न बाबा साहब ने समाज को शिक्षा की ताकत और संगठन के महत्व के बारे में अवगत कराया है। यदि समाज शिक्षित और संगठित होगा, तो उसे अपने अधिकार प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकते हैं। उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया कि शिक्षा को प्राथमिकता देने की सबसे ज्यादा आवश्यकता है। जिसमें युवाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। शिक्षा के माध्यम से ही युवक-युवतियाँ अपने सपनों को पूरा करने में सक्षम होंगे। विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि दलितों के प्रणेता बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से समाज के शोषित और वंचित वर्गों को आगे बढ़ने में सबसे ज्यादा मदद किया है। समाज के सभी लोगों को समान अधिकार दिलाने का काम किया। उन्होंने आगे कहा कि बाबा साहब के दिए मार्गदर्शन में चलकर ही एक सच्ची समाज की स्थापना की जा सकती है, तभी आगे चलकर समाज का वास्तविक उत्थान होगा। सभा को के डी झाड़ी, कैलाश रामटेके, आर.डी. झाडी, डी. नागेश्वर कमलेश पैंकरा, अमित कोरसा, अशोक तालांडी ने संवैधानिक अधिकारों के बारे मे संक्षिप्त परिचय दिया। बाबा साहब द्वारा लिखित भारत का संविधान से ही नागरिकता, स्वतंत्रता, मौलिक कर्तव्य प्राप्त हुए हैं। उन अधिकारों के प्रति जागरूक होने की जरूरत है। तभी एक अच्छे समाज की स्थापना कर सकेंगे। हीर चंद्रशेखर, दीप्ति झाड़ी, आदित्य झाड़ी ने अंग्रेजी मे बाबा साहेब के बारे मे बताया।दसवी, बारहवीं ,नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा मे प्रथम द्वितीय वा तृतीय स्थान सहित यूपीएससी मे चयनित अंकित सकनी को भी भीम चेतना अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया।

दंतेवाड़ा के सुदूर गांव हिरोली में अम्बेडकर जयंती का हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

किरंदुल। दंतेवाड़ा जिले के सुदुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत हिरोली दोकापारा में स्थित सीएएफ (छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल) पुलिस कैंप में मंगलवार भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।यह आयोजन न केवल सामाजिक सदभाव का प्रतीक बना, बल्कि पुलिस और ग्रामीणों के बीच आपसी मेल-मिलाप को और मजबूत करने का अनुपम उदाहरण भी साबित हुआ। कैंप के मुखिया रामावतार सिंह ने इस अवसर पर गांव के ग्रामीणों को शासन-प्रशासन से जोड़ने और पुलिस-जनता के बीच विश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष पहल की। उन्होंने 100 टी-शर्ट्स और 100 साड़ियां ग्रामीणों को वितरित कीं।साथ ही कैंप परिसर में हलवा-पूड़ी का वितरण किया गया।

नक्सल मुक्ति के बाद बदलते रंग - दोकापारा क्षेत्र को पूर्व में नक्सलियों का गढ़ माना जाता था,जहां सुरक्षा बलों और स्थानीय लोगों के बीच दूरी थी। लेकिन अब नक्सलवाद से मुक्ति के बाद गांव में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहे हैं।आज यहां शांति और विकास के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित हो रहे हैं। ग्रामीण अब एक-दूसरे के साथ भाईचारा बनाए हुए हैं और सुरक्षा बलों को अपना अभिन्न हिस्सा मान रहे हैं। रामावतार सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का मकसद केवल उत्सव मनाना नहीं, बल्कि ग्रामीणों को मुख्यधारा से जोड़ना और क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित करना है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी पुलिस कैंप ग्रामीणों के विकास और कल्याण के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

सकारात्मक संदेश - यह आयोजन दंतेवाड़ा जैसे नक्सल प्रभावित जिलों में सुरक्षा बलों की जन-संपर्क नीति की सफलता को दर्शाता है। जहां एक समय हिंसा और भय का माहौल था, वहां अब उत्सव, भाईचारा और विकास की कहानियां उभर रही हैं। डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती पर समानता, न्याय और सशक्तिकरण का संदेश इस कार्यक्रम के माध्यम से और मजबूती से पहुंचा।

सुचारू यातायात और पार्किंग व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए नारायणपुर पुलिस, नगर पालिका और व्यापारी संघ के साथ हुई समन्वय बैठक

नारायणपुर। यातायात शाखा कार्यालय, नारायणपुर में व्यापारी संघ के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्षद प्रवीण जैन, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी नारायणपुर लोकेश बंसल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी रामचन्द्र यादव, यातायात प्रभारी (रक्षित निरीक्षक) मोहसिन खान, पंकज जैन (व्यापारी संघ अध्यक्ष), पवन सुराना, धनराज जैन, ललित गोलछा, जाहुरी लाल चौराड़िया, सतीश अग्रवाल तथा टीकम देशलहरा सहित अन्य व्यापारीगण उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू एवं व्यवस्थित बनाना था। विशेष रूप से सोनपुर रोड क्षेत्र में अव्यवस्थित पार्किंग एवं सड़क अतिक्रमण से उत्पन्न समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान व्यापारियों को यातायात नियमों के पालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा सामूहिक सहमति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। यातायात पुलिस एवं नगर पालिका टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर दुकानदारों को समझाइश दी गई कि वे सड़क पर वाहनों की पार्किंग एवं अतिक्रमण से बचें, जिससे आम नागरिकों को सुगम यातायात सुविधा प्राप्त हो सके। जिला प्रशासन एवं व्यापारी संघ के संयुक्त प्रयास से यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में यह बैठक एक सकारात्मक पहल है। भविष्य में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

पश्चिम बोरगांव में चरक पूजा की धूम, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

कोण्डागांव। जिले के पश्चिम बोरगांव में मंगलवार को बंग समाज द्वारा चरक पूजा का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। बंग पंचांग अनुसार चैत्र माह के अंतिम दिन आयोजित इस विशेष अनुष्ठान में भगवान शिव के भक्तों ने कठोर तप, त्याग और आत्मसंयम का प्रदर्शन कर आस्था का परिचय दिया। परंपरा के अनुसार, पूरे एक माह तक ब्रह्मचर्य और कठोर व्रत का पालन करने वाले संन्यासियों ने इस दिन अपनी साधना की परीक्षा देते हुए चरक अनुष्ठान में भाग लिया। इस दौरान संन्यासियों की पीठ में हुक डालकर उन्हें लगभग 20 फीट ऊंचे चरक झूले में घुमाया गया, जिसे आस्था, समर्पण और आध्यात्मिक शक्ति की परीक्षा का प्रतीक माना जाता है। गांव के अमित दास ने बताया कि, चरक

पूजा अत्यंत प्राचीन परंपरा है, जिसे मुख्य रूप से बंग समाज द्वारा मनाया जाता है। यह पूजा आध्यात्मिक शक्ति को परखने का माध्यम है, जिसमें साधक चैत्र मास के पूरे एक महीने तक व्रत-नियम का पालन करते हुए ब्रह्मचर्य धारण करते हैं, एक समय भोजन करते हैं तथा गांव-गांव नंगे पांव घूमकर भगवान शिव और माता पार्वती की महिमा का प्रचार-प्रसार करते हैं। उन्होंने बताया कि एक माह की साधना के पश्चात संन्यासी खजूर भांगा और चरक जैसे कठोर अनुष्ठानों के माध्यम से अपनी भक्ति की परीक्षा देते हैं। मान्यता है कि सच्ची भक्ति और तपस्या के प्रभाव से इन कठिन परीक्षाओं के दौरान उन्हें पीड़ा का अनुभव नहीं होता और न ही रक्त निकलता है। यह भगवान शिव के प्रति समर्पण और श्रद्धा की पराकाष्ठा मानी जाती है।

चरक पूजा भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना से जुड़ी परंपरा है, जो जीवन में त्याग, तपस्या और आत्मसंयम का संदेश देती है। पूजा के दौरान विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। स्थानीय मान्यता है कि इस पूजा के माध्यम से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। वहीं चरक पूजा महोत्सव के अंतर्गत भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह पूरे विधि-विधान के साथ संपन्न कराया जाएगा। विवाह उपरांत बंग समाज द्वारा नववर्ष उत्सव भी मनाया जाएगा, जो वैशाख कृष्ण प्रतिपदा तिथि से प्रारंभ होगा।

नारी शक्ति का स्वर्णिम अध्याय : 33 प्रतिशत आरक्षण से बदलेगी राजनीति की तस्वीर, जिम्मेदारी मिलते ही दोगुनी ताकत से आगे बढ़ती हैं महिलाएं : दीपिका शोरी

सुकमा। अधिवक्ता दीपिका शोरी, सदस्य छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग, ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023' को महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम बताते हुए केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह कानून देश के लोकतांत्रिक इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा और महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में मजबूत भागीदारी देगा। उन्होंने बताया कि 19 सितंबर 2023 को लोकसभा में प्रस्तुत यह विधेयक 20 सितंबर को लोकसभा और 21 सितंबर को राज्यसभा से पारित हुआ। इसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा, जिससे राजनीति में उनकी सीधी और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित होगी। दीपिका शोरी ने कहा कि लंबे समय से राजनीति में महिलाओं की भागीदारी सीमित रही है, जिसके कारण उनके मुद्दे नीति निर्माण में अपेक्षित स्थान नहीं पा सके। यह कानून शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, पोषण और सामाजिक न्याय जैसे विषयों पर अधिक संवेदनशील और प्रभावी नीतियां बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब भी महिलाओं को जिम्मेदारी मिली है, उन्होंने उसे अपनी क्षमता से दोगुनी ऊर्जा और समर्पण के साथ निभाया है। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में इसके अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बिहार की विधायक मैथिली ठाकुर का उल्लेख किया, जो अपनी प्रतिभा और कार्यों के माध्यम से नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बन रही हैं। राजनीति में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु, निर्मला सीतारमण और स्मृति ईरानी ने नेतृत्व क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वहीं प्रशासनिक क्षेत्र में टीना डाबी और दुर्गा शक्ति नागपाल, तथा समाज सेवा में सुधा मूर्ति ने उल्लेखनीय योगदान देकर यह सिद्ध किया है कि महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने में सक्षम हैं। दीपिका शोरी ने इसे केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की मजबूत नींव बताते हुए कहा कि इससे लैंगिक समानता को बढ़ावा मिलेगा और लोकतंत्र अधिक समावेशी बनेगा। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर पहले से ही कई राज्यों में महिलाओं की भागीदारी 50 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जिसे अब राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार दिया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस ऐतिहासिक निर्णय से बेटियों और युवा महिलाओं को नई दिशा और प्रेरणा मिलेगी। जब वे संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को नेतृत्व करते देखेंगी, तो उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे भी देश निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए आगे आएंगी। अंत में उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को प्राप्त करने में महिला सशक्तिकरण की यह पहल केंद्रीय भूमिका निभाएगी।

दशकों के अंधेरे से बाहर आया गारपा, नियद नेल्लानार योजना से पहली बार घर-घर पहुँची बिजली

नारायणपुर। जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र में विकास की मजबूत दस्तक सुनाई दे रही है। नारायणपुर मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित अत्यंत दुर्गम ग्राम गारपा में अब पहली बार बिजली की रोशनी पहुँची है, जिससे वर्षों से अंधेरे में जीवन बिता रहे ग्रामीणों के जीवन में नया उजाला आया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में नक्सलवाद के खात्मे के बाद अब इन दुरस्थ क्षेत्रों में विकास कार्य तेजी से पहुँच रहे हैं। पहले जहाँ सुरक्षा कारणों और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के चलते मूलभूत सुविधाएँ भी नहीं पहुँच पाती थीं, वहीं अब शासन की प्राथमिकता में इन क्षेत्रों को शामिल कर तेजी से काम किया जा रहा है। कलेक्टर नम्रता जैन के सतत मार्गदर्शन में प्रशासनिक और तकनीकी टीमों ने मिलकर इस चुनौतीपूर्ण कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया। बिजली विभाग द्वारा संचालित इस परियोजना में लगभग 55 लाख रुपये की लागत से 48 उपभोक्ताओं को पहली बार बिजली कनेक्शन प्रदान किया गया। कार्यपालन अभियंता कुमार लाल उइके ने बताया कि घने जंगल, कठिन रास्ते और सीमित संसाधनों के बावजूद टीम ने अदम्य साहस और कार्यकुशलता का परिचय देते हुए निर्धारित समय में लाइन विस्तार का कार्य पूर्ण किया। बिजली पहुँचने से अब गारपा के बच्चों को पढ़ाई के बेहतर अवसर मिलेंगे, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच आसान होगी और ग्रामीणों के आर्थिक उत्थान के नए रास्ते खुलेंगे। दशकों बाद अपने घरों को रोशन देख ग्रामीणों में उत्साह और खुशी का माहौल है। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि 'नियद नेल्लानार' योजना के तहत जिले के अन्य दूरस्थ गांवों में भी इसी तरह प्राथमिकता के आधार पर विद्युतीकरण कार्य तेजी से जारी रहेगा, जिससे विकास की रोशनी हर अंतिम छोर तक पहुँच सके।

बंगीय मतुआ संप्रदाय द्वारा मनाया गया बंगला नववर्ष मनाया

किरंदुल। बंगला नववर्ष वैशाख 1433 बंगला ईस्वी के उपलक्ष्य में लौहनगरी किरंदुल के बंगीय मतुआ सम्प्रदाय के लोगों द्वारा मानव कल्याण एवं सुख शांति के लिए अपने अपने घरों में मंगल आरती, विशेष पूजा करके व्यंजनों का भोग लगाया।साथ ही ढाक बाजा बजाकर प्रभात फेरी निकाली गई एवं एक दूसरे को मिठाई खिलाकर नववर्ष की शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की गई।

धान से लदी ट्रक पुल के नीचे पलटी, नहीं हुई जनहानि

कोंडागांव। अनंतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मालगांव के पास बुधवार दोपहर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। बुडरापारा पुल के नीचे धान से लदी एक ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक छिनारी धान संग्रहण केंद्र से धान लेकर कोंडागांव मुख्यालय की ओर लौट रही थी। इसी दौरान मालगांव के समीप बुडरापारा पुल के पास ट्रक चालक का नियंत्रण वाहन से हट गया और ट्रक पुल के नीचे जा पलटी। हादसे में सबसे राहत की बात यह रही कि ट्रक चालक बाल-बाल बच गया और उसे किसी प्रकार की गंभीर चोट नहीं आई। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

नारायणपुर में 19 अप्रैल को निःशुल्क महा स्वास्थ्य शिविर दूरस्थ अबूझमाड़ तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की तैयारी तेज

नारायणपुर। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने और अबूझमाड़ के सुदूर ग्रामीणों तक बेहतर उपचार पहुंचाने के उद्देश्य से 19 अप्रैल को नारायणपुर बालक हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर में निःशुल्क महा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, परामर्श और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। निःशुल्क महा स्वास्थ्य शिविर की तैयारियों और सफल आयोजन के लिए कलेक्टर नम्रता जैन की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों को पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पंजीयन काउंटर, वालंटियर व्यवस्था, पेयजल, भोजन, छाया और कूलर सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। कलेक्टर ने बताया कि ओरछा विकासखंड के दुर्गम क्षेत्रों में अभी से प्राथमिक स्वास्थ्य जांच शुरू कर दी गई है ताकि गंभीर मरीजों की पहचान कर उन्हें शिविर के दिन नारायणपुर लाया जा सके। प्रशासन का लक्ष्य है कि दूरी या संसाधनों की कमी के कारण कोई भी ग्रामीण इस सुविधा से वंचित न रहे और अबूझमाड़ के अंतिम व्यक्ति तक इसकी जानकारी पहुंचे। शिविर में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन भी किया जाएगा। आयुष विभाग द्वारा जांच और परामर्श की सुविधा दी जाएगी तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे, जिससे जनजागरूकता को बढ़ावा मिले। जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम ने कहा कि शिविर की सफलता के लिए जनप्रतिनिधियों, नगरवासियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। सभी के सहयोग से यह आयोजन जिले के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. टी.आर. कुंवर ने जानकारी दी कि शिविर के लिए सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। गांव-गांव में प्रचार-प्रसार किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें और किसी भी प्रकार की कमी न रहे। शिविर में हड्डी रोग, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, मेडिसिन, जनरल सर्जरी, ईएनटी, चर्म रोग, दंत रोग, स्त्री रोग, शिशु रोग, न्यूरो सर्जरी, नेफ्रोलॉजी, कैंसर, नेत्र और हृदय रोग सहित विभिन्न विशेषज्ञताओं के डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे। मरीजों को आवश्यक जांच और उपचार की सुविधा पूरी तरह निःशुल्क प्रदान की जाएगी। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष इंद्र प्रसाद बघेल, पंकज जैन, नरेंद्र मेश्राम, अपर कलेक्टर बीरेंद्र बहादुर पंचभाई, एसडीएम अभयजीत मंडावी, डॉ. सुमित गर्ग सहित जनप्रतिनिधि, पत्रकार, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

विचाराधीन बंदियों के मामलों की प्रभावी समीक्षा के लिए वर्ष 2026 के अंतर्गत द्वितीय अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी की बैठक सम्पन्न

कोण्डागांव। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव खिलावन राम रीगरी के अध्यक्षता एवं उनकी उपस्थिति में वर्ष 2026 का द्वितीय अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी की बैठक कोंडागांव एवं नारायणपुर जिले के अधिकारियों की उपस्थिति में न्यास सदन भवन में हुई सम्पन्न। बैठक में कलेक्टर कोण्डागांव नुपूर राशि पन्ना, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय, डिप्टी कलेक्टर नारायणपुर दुष्यंत कृतिमान कौशले अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव कपिल चंद्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नारायणपुर एश्वर्य चन्द्राकर उप-जेल अधीक्षक केन्द्रीय जेल जगदलपुर मधु सिंह, सहायक उप-जेल अधीक्षक नारायणपुर संजय नायक, लीगल एड डिफेंस कौंसिल कोंडागांव डिप्टी चीफ प्रभा मिश्रा' सम्मलित रहे। बैठक का उद्देश्य जेलों में निरुद्ध विचाराधीन बंदियों के मामलों की समीक्षा करना जिसमें विचाराधीन बंदी के प्रकरण का समय-समय पर समीक्षा करना, तथा आवश्यक रूप से जेल में बंद बंदियों को रिहा कराने में सहायता करना और धारा 436, 405 प्रक्रिया संहिता (धारा 379 भारतीय न्याय संहिता 2023) के प्रकरण मे विचार कर उसे शीघ्र निराकरण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करना था। बैठक में अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी के द्वारा विभिन्न प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए उन बंदियों के मामलों पर विशेष ध्यान दिया गया जो लम्बे समय से विचाराधीन है तथा जिनके प्रकरणों में विधिक सहायता तथा त्वरित सुनवाई की आवश्यकता है। बैठक के दौरान पात्र बंदियों को जमानत, रिहाई अथवा अन्य वैधानिक लाभ दिलाने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

संक्षिप्त समाचार

रासायनिक आपदा से बचाव के लिए मॉक ड्रिल 23 को

बिलासपुर। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा रासायनिक आपदा से बचाव के लिए एनटीपीसी सीपत में 23 अप्रैल को सवेरे 10 बजे से मॉक ड्रिल प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। कोई भी व्यक्ति इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित होकर प्रक्रिया का अवलोकन एवं जानकारी प्राप्त कर सकते है। यह प्रशिक्षण आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने तथा आमजनों को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

व्यवहार न्यायाधीश के रिक्त पदों हेतु अधिसूचना जारी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा वर्ष 2026 हेतु व्यवहार न्यायाधीश (वरिष्ठ श्रेणी) के पदों पर पदोन्नति एवं भर्ती हेतु क्रमशः 47 एवं 5 रिक्त पदों से संबंधित अधिसूचना जारी की जा चुकी है, उक्त अधिसूचना छत्तीसगढ़ न्यायालय के वेबसाईट ढ्ढह्लह्लश- ह्य://ढ्ढद्दद्धष्म्हह्लह्ल.ष्द्द.द्दश1.द्ढ्ढठ्ठ पर उपलब्ध है।

मेहमान प्रवक्ता के लिए आवेदन 27 अप्रैल तक

बिलासपुर। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कोनी अंतर्गत जिले के शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में संचालित विभिन्न व्यवसायों के प्रशिक्षण कार्य पूर्ण कराने मेहमान प्रवक्ता की नियुक्ति की जानी है। इच्छुक आवेदक निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन 27 अप्रैल 2026 शाम 5 बजे तक स्वयं उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत या स्पीड पोस्ट के माध्यम से औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कोनी में जमा कर सकते है। विस्तृत जानकारी जिले की वेबसाईट 222.ड्ढद्वद्बड्ढह्यह्वह्म्.द्दश1.द्ढ्ढठ्ठ से प्राप्त कर सकते है।

शिक्षा घोटाले में कार्रवाई शुरू, अंकित गौरहा की शिकायत से खुली परतें-अब बड़े चेहरों पर कब कार्रवाई. ?

बिलासपुर। शिक्षा विभाग में लगभग 29.62 लाख रुपये के कथित गबन के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना कोटा पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह पूरा मामला शासकीय राशि के गबन और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा हुआ है, जिसकी शिकायत कांग्रेस नेता अंकित गौरहा द्वारा मुख्य सचिव,कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक से की गई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्रार्थी नरेंद्र प्रसाद मिश्रा की रिपोर्ट पर अपराध दर्ज कर जांच शुरू की थी। एक गिरफ्तार और एक अभी भी फरार : पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, इस मामले में थाना कोटा में अपराध क्रमांक 171/2026 दर्ज किया गया है, जिसमें भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 316(5), 318(4), 338, 336(3), 340(2) एवं 3(5) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। आरोप है कि शासकीय कर्मचारी रहते हुए आरोपियों द्वारा वेतन एवं अन्य भत्तों में कूट रचना कर सितंबर 2024 से नवंबर 2025 के बीच कुल 29 लाख 62 हजार 222 रुपये की राशि का गबन किया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपी देवेंद्र कुमार पालके (उम्र 38 वर्ष), निवासी धरमपुरा, करगी रोड कोटा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। वहीं, मामले का एक अन्य आरोपी नवल सिंह पैकरा (लेखपाल/सहायक ग्रेड-02) अभी भी फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश जारी है। मुख्य आरोपी पर कार्यवाही नहीं : हालांकि इस कार्रवाई के बाद भी कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े हो रहे हैं। शिकायत में तत्कालीन विकासखंड शिक्षा अधिकारी कोटा एवं वर्तमान जिला शिक्षा अधिकारी बिलासपुर विजय टांडे की भूमिका को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए गए थे। आरोप है कि वित्तीय अनियमितताओं का यह पूरा खेल उनके कार्यकाल में हुआ, इसके बावजूद अब तक उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। उल्टा, उन्हें पदोन्नति दिए जाने की जानकारी सामने आने से पूरे मामले की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे हैं। फर्जी अनुकंपा नियुक्तियों में प्रमाण के बावजूद कार्यवाही नहीं : इसके साथ ही शिक्षा विभाग में की गई तीन फर्जी अनुकंपा नियुक्तियों का मामला भी इस शिकायत का हिस्सा रहा है।

धौराभांठा शिविर में 162 आवेदनों का मौके पर निराकरण

हर जरूरतमंद तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता

बिलासपुर। बिल्हा ब्लॉक के ग्राम धौराभांठा में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में शासन की योजनाओं को धरातल पर उतारते हुए ग्रामीणों को सीधे लाभ पहुंचाया गया। प्रशासन ने गांव में पहुंचकर लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया। शिविर में बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, जनपद पंचायत अध्यक्ष डॉ. रामकुमार कौशिक, जिला पंचायत सदस्य श्री गोविंद यादव, श्रीमती अनिता राजेंद्र शुक्ला, जनपद उपाध्यक्ष श्री विक्रम सिंह, सरपंच सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल, एसडीएम आकांक्षा त्रिपाठी, जनपद सीईओ श्री कुमार सिंह लहरे, जिला स्तरीय अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। शिविर में कुल 209 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 162 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर हितग्राहियों को तत्काल राहत प्रदान की गई। बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर शासन की संवेदनशीलता का जीवंत उदाहरण है, जहां सरकार केवल योजनाएं बनाकर नहीं, बल्कि खुद गांव तक पहुंचकर लोगों की समस्याओं को समझ रही है और समाधान दे रही है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक शिविर नहीं, बल्कि जनता और शासन के बीच विश्वास का सेतु है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति का समय और मेहनत अनमोल है, इसलिए सरकार ने यह पहल की है कि लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए भटकना न पड़े। आज शासन आपके द्वार पर खड़ा है, आपकी हर छोटी-बड़ी समस्या को अपनी जिम्मेदारी मानकर उसका समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। विधायक श्री कौशिक ने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे जागरूक बनें, योजनाओं की जानकारी लें और पात्रता

अनुसार लाभ लेकर अपने परिवार और गांव की प्रगति में भागीदार बनें। उन्होंने ग्राम सभा को विकास की आधारशिला बताते हुए कहा कि गांव की जरूरतों को पहचानकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने से ही समृद्धि का रास्ता खुलता है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी ने कहा कि शासन का लक्ष्य है कि कोई भी व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे और हर जरूरतमंद तक सहायता पहुंचे। जनपद पंचायत अध्यक्ष डॉ. रामकुमार कौशिक ने कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हो रहे हैं, जहां उनकी समस्याओं का सरल, सुलभ और त्वरित समाधान हो रहा है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि योजनाओं की जानकारी और जनभागीदारी से ही वास्तविक लाभ लोगों तक पहुंचता है। उन्होंने बताया शिविर में कई मामलों का तत्काल निराकरण किया जा रहा है, जबकि बड़े कार्यों को परीक्षण और बजट प्रावधान के अनुसार चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाता है। उन्होंने ग्राम सभा की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए जल संरक्षण, पौधारोपण और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग पर जोर दिया।

हितग्राहियों को योजनाओं से किया गया लाभान्वित -शिविर में बड़ी संख्या में हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित किया गया। श्रम विभाग द्वारा मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना के तहत मान्या दिवाकर को 20 हजार रूपये की राशि का चेक, डिगेश्वरी ठाकुर और मधु ठाकुर को श्रमिक कार्ड का वितरण किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत दुलोरिन बाई, सुन्ती बाई यादव, प्रमिला बाई, संतोष कुमार निषाद और अनुपा निषाद को आवास की प्रतिकात्मक चाबी प्रदान की गई।

अवैध खनिज उत्खनन पर सख्ती : 2 हाइवा,1 चैन माउंटेन सहित वाहन जप्त

बिलासपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश एवं कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिला बिलासपुर में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में लगभग डेढ़ दर्जन राजस्व एवं खनिज अमले द्वारा संयुक्त जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान तखतपुर, काठकोनी, भरनी, चोरभट्ठी, गनियारी, नेवरा, टांडा, अमने, मंगला एवं धुरिपारा क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। नेवरा क्षेत्र से खनिज मुरुम का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते हुए 1 चैन माउंटेन मशीन एवं 2 हाइवा वाहन जप्त किए गए। तखतपुर क्षेत्र से मुरुम का परिवहन करते 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली तथा मंगला-धुरिपारा क्षेत्र से रेत का अवैध उत्खनन एवं

परिवहन करते 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त की गई। इस प्रकार कुल 6 वाहनों को जप्त कर थाना सकरी, कोटा एवं कोनी की अभिरक्षा में रखा गया है, वहीं चैन माउंटेन मशीन को यथास्थान सीलबंद किया गया है। खनिज विभाग, राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से ऐसी कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

कलेक्टर ने किया जिला कोषालय का निरीक्षण....

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित जिला कोषालय का वार्षिक निरीक्षण किया। डबल लॉक और अभिलेखों के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कोषालय में डबल लॉक की व्यवस्था का भौतिक सत्यापन किया और सभी संबंधित पंजियों एवं अभिलेखों की समीक्षा की। वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता पर उन्होंने जोर दिया। कलेक्टर ने स्टाम्प, टिकट, बिल पासिंग, पेंशन भुगतान और लेखा कार्यों की समीक्षा करते हुए वित्तीय अनुशासन, समयबद्धता और कार्य की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त कलेक्टर ज्योति पटेल, वरिष्ठ कोषालय

अधिकारी बसंत गुलेरी, डिप्टी कलेक्टर रजनी भगत, सहायक कोषालय अधिकारी सुजीत कुमार पात्रे और श्रीमती तरला नुरूटी, खजांची ज्ञानू भारद्वाज, सुरेंद्र देवांगन सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

5 से 20 मई तक विकसित कृषि संकल्प अभियान......

किसानों को दी जाएगी उन्नत तकनीकों की जानकारी

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले में 5 मई से 20 मई 2026 तक विकसित कृषि संकल्प अभियान संचालित किया जाएगा, जिसके माध्यम से किसानों को खरीफ सीजन की तैयारी एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। उप संचालक कृषि पीडी हथेश्वर ने बताया कि अभियान का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीज, संतुलित उर्वरक उपयोग एवं शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक करना है। इसके लिए विकासखंड स्तर पर विशेषज्ञों की टीमें गठित की गई हैं, जो गांवों में पहुंचकर किसानों को मार्गदर्शन देंगी। अभियान के दौरान मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुसार उर्वरक उपयोग, जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा, तथा खरीफ फसलों की उन्नत पद्धतियों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही दलहन-तिलहन, मक्का सहित विभिन्न फसलों के उत्पादन बढ़ाने के उपाय भी बताए जाएंगे। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी देकर अधिक से अधिक लाभ दिलाया जाए तथा अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

कक्षा 10वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025-26 में दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे हायर सेकेंडरी स्कूल नं 1बिलासपुर के विद्यार्थियों की शानदार सफलता

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 1, बिलासपुर के लिए यह अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है कि विद्यालय के विद्यार्थियों ने कक्षा 10वीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025ड्ड26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है और विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस वर्ष परीक्षा परिणाम में विद्यालय के तीन विद्यार्थियों ने सर्वाधिक अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है 7 विद्यालय के अपूर्व सरकार ने 98.6 प्रतिशत अंक के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अनुश्री ध्रुव ने 96.4 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर एवं अंश कुमार शर्मा 95.2 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रहे। इसके साथ ही विद्यालय के 11 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की है, जो विद्यालय की उच्च शैक्षणिक गुणवत्ता एवं उत्कृष्ट शिक्षण व्यवस्था का प्रमाण है। विद्यार्थियों की यह उल्लेखनीय उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन, दृढ़ संकल्प तथा

शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग का प्रतिफल है। यह सफलता न केवल विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों के लिए बल्कि पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। विद्यालय परिवार द्वारा सभी मेधावी विद्यार्थियों को उज्वल भविष्य हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित की गई । विद्यालय के प्रधानाचार्य ने इस उत्कृष्ट परिणाम पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों की निष्ठा और अभिभावकों के सहयोग से ही ऐसे शानदार परिणाम संभव हो पाते हैं। विद्यालय के इस उत्कृष्ट परिणाम पर नियंत्रण अधिकारी एवं वरि मण्डल कार्मिक अधिकारी डॉ अंशुमन मिश्रा ने सभी सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों तथा शिक्षकगणों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता संपूर्ण दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ये विद्यार्थी भविष्य में भी निरंतर सफलता प्राप्त कर विद्यालय एवं संस्थान का नाम रोशन करते रहेंगे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल ने वित्तीय वर्ष 2025 26 में सुरक्षा एवं सेवा के क्षेत्र में हासिल कीं उत्कृष्ट उपलब्धियाँ

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा एवं सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दर्ज की हैं। विभिन्न अभियानों एवं सतत निगरानी के माध्यम से रेलवे सुरक्षा बल ने रेलवे परिसरों एवं ट्रेनों में अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा, तथा सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है वर्ष के दौरान रेलवे सुरक्षा बल द्वारा आरपी(यूपी) अधिनियम के अंतर्गत 416 प्रकरण दर्ज किए गए तथा 635 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। रेलवे अधिनियम के तहत 65,071 गिरफ्तारियाँ की गई, जबकि दलालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 269 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। मादक पदार्थ नियंत्रण (एनडीपीएस एक्ट) के तहत 105 गिरफ्तारियाँ की गई।यात्रियों की संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए चोरी के मामलों में 227 आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई ।इसके अतिरिक्त अनधिकृत हॉकरों के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाते हुए 13,744 गिरफ्तारियाँ की गई तथा अलार्म चेन पुलिंग (एसीपी) के मामलों में 4,446 लोगों पर कार्रवाई की गई। रेल

सुरक्षा को खतरे में डालने वाले 253 मामलों में भी कार्रवाई की गई। महिला, वृद्ध एवं दिव्यांग यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 10,119 मामलों में प्रभावी कार्रवाई की गई। मानव तस्करी के विरुद्ध भी सख्त कदम उठाते हुए 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। अग्नि सुरक्षा अभियान के अंतर्गत 75 मामलों में कार्रवाई की गई। सामाजिक दायित्वों के अंतर्गत ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत 324 बच्चों को सुरक्षित बचाया गया, जो रेलवे सुरक्षा बल की मानवीय संवेदनशीलता को दर्शाता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म रेल मदद के माध्यम से रेलवे सुरक्षा बल ने उत्कृष्ट सेवा प्रदान करते हुए 11,423 शिकायतों का शत-प्रतिशत निस्तारण किया। शिकायतों के समाधान का औसत समय मात्र 18 मिनट रहा तथा यात्रियों द्वारा सेवा को श्र×ष्द्दद्यद्यद्गठ्ठ रेटिंग प्रदान की गई। महिला सुरक्षा के क्षेत्र में मेरी सहेली पहल के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 11 प्रमुख स्टेशनों बिलासपुर, रायगढ़, कोरबा, शहडोल, भाटापारा, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, गोंदिया एवं भंडारा रोड पर महिला रेलवे सुरक्षा बल की नियमित तैनाती सुनिश्चित की गई है। यह टीम विशेष रूप से अकेले यात्रा करने वाली महिला यात्रियों से संवाद स्थापित कर उन्हें आवश्यक सहायता एवं सुरक्षा संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करती है। इस पहल से महिलाओं में सुरक्षा का भाव सुदृढ़ हुआ है तथा अपराधों की रोकथाम में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का रेलवे सुरक्षा बल भविष्य में भी यात्रियों की सुरक्षा, सेवा और विश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर उत्कृष्ट कार्य करता रहेगा।

भीषण गर्मी में राहगीरों को राहत, पंचायतों को प्याऊ घर संचालित करने के निर्देश

बिलासपुर। तेज गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन की पहल पर ग्रामीण क्षेत्रों के प्रमुख मार्गों पर पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल ने ग्रीष्मकाल के दौरान राहगीरों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जनपद पंचायत बिल्हा, तखतपुर, मस्तुरी एवं कोटा अंतर्गत ग्राम पंचायतों को मुख्य मार्गों पर प्याऊ घर संचालित करने के निर्देश दिए हैं। जारी निर्देश में कहा गया है कि ग्राम पंचायतों की सीमा से गुजरने वाले प्रमुख मार्गों पर पेयजल के साथ-साथ छाया की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

फरार आरोपियों की सूचना देने पर मिलेगा ईनाम........

बिलासपुर। वरिष्ठ पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले के विभिन्न थानों में दर्ज अपराध प्रकरणों के फरार आरोपियों की सूचना देने वालों के लिए 5-5 हजार रूपये के ईनाम की घोषणा की गई है। थाना सकरी में दर्ज अपराध प्रकरण के आरोपी प्रशांत तिवारी, उम्र 30 वर्ष, निवासी काठाकोनी एवं रोनक ध्रुर्वे, उम्र 40 वर्ष, निवासी आसमा सिटी सकरी, थाना तोरवा में दर्ज अपराध प्रकरण के आरोपी मोनिस हटकेश्वर, वासू हटकेश्वर, हनी हटकेश्वर निवासी बापूनगर एवं पवन कुमार यादव, ग्राम डूठंगा, थाना पामगढ़, जिला जांजगीर चांपा, हिम बहादूर सोनार, निवासी सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल), थाना कोटा में दर्ज अपराध प्रकरण के आरोपी धार्मिक भाई सवनी, निवासी राधाकृष्णा अपार्टमेंट सोसीबी सूरत, जिला सूरत (गुजरात), संतोष कुमार पोर्ते निवासी जेमरा, थाना पाली, जिला कोरबा एवं थाना तखतपुर में दर्ज अपराध प्रकरण के आरोपी परमेश्वर वैष्णव, निवासी जनकपुर रोड, थाना तखतपुर, थाना बिल्हा में दर्ज अपराध प्रकरण के आरोपी गुरूजी उर्फ मेवालाल टण्डन, उम्र 55 वर्ष, निवासी बीरगांव, थाना मुंगेली जिला मुंगेली के संबंध में सूचना देने वाले व्यक्ति को 5 हजार रूपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इस संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बिलासपुर 07752-223330, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शहर बिलासपुर।

वास्तु शास्त्र के अनुसार गंगाजल से करें ये उपाय

हिंदू धर्म में गंगाजल को अत्यंत पवित्र माना जाता है। इसे देवी गंगा का स्वरूप मानकर पूजा-अर्चना में उपयोग किया जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, गंगाजल में इतनी शक्तिशाली सकारात्मक ऊर्जा होती है कि यह घर की नकारात्मकता को दूर कर वातावरण को शुद्ध बना सकती है। आजकल के तनावपूर्ण जीवन में घर में बार-बार झगड़े, आर्थिक रुकावटें और मानसिक अशांति आम समस्या बन गई है। ऐसे में गंगाजल के सरल उपाय अपनाकर घर में सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया जा सकता है।

गंगाजल क्यों है वास्तु में महत्वपूर्ण?

गंगाजल केवल जल नहीं, बल्कि दिव्य ऊर्जा का माध्यम है। वास्तु शास्त्र में इसे नकारात्मक शक्तियों को नष्ट करने वाला बताया गया है। गंगाजल घर के ब्रह्मस्थान, कोनों और मुख्य द्वार की ऊर्जा को शुद्ध करता है। नियमित उपयोग से वास्तु दोष दूर होते हैं, जिससे परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम बढ़ता है, स्वास्थ्य सुधरता है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

मुख्य द्वार पर गंगाजल छिड़काव के उपाय

मुख्य द्वार घर की ऊर्जा का प्रवेश द्वार होता है। अगर यहां नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश कर जाए तो पूरे घर पर असर पड़ता है। हफ्ते में एक या दो बार गंगाजल में थोड़ा साफ पानी मिलाकर मुख्य द्वार पर छिड़काव करें। आप दरवाजे के दोनों ओर हल्का गंगाजल भी डाल सकते हैं। इससे बाहर से आने वाली बुरी शक्तियां घर में प्रवेश नहीं कर पातीं और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

गंगाजल का उपयोग करते समय रखें ये ध्यान

गंगाजल हमेशा साफ और सम्मानजनक स्थान पर रखें। इसे प्लास्टिक की बोतल में लंबे समय तक ना रखें। उपयोग से पहले गंगाजल को श्रद्धा से छूकर प्रणाम करें। शुक्रवार या पूर्णिमा के दिन गंगाजल लाना शुभ माना जाता है। उपाय करते समय मन में पूरी श्रद्धा और विश्वास रखें, तभी पूरा लाभ मिलेगा।

हल्दी के साथ गंगाजल का शक्तिशाली उपाय

घर की सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए गंगाजल में चुटकी भर हल्दी मिलाकर रोजाना पूजा के बाद पूरे घर में छिड़काव करें। हल्दी गंगाजल की शुद्धता को और बढ़ाती है। इस उपाय को नियमित करने से घर का वातावरण हल्का और सकारात्मक हो जाता है। रुके हुए काम बनने लगते हैं और परिवार में कलह कम होती है। विशेष रूप से सोमवार या शुक्रवार को यह उपाय करने से अधिक लाभ मिलता है।

गंगाजल से मिलने वाले प्रमुख लाभ

गंगाजल का नियमित उपयोग घर में शांति, सुख और मानसिक संतुलन बनाए रखता है। इससे नकारात्मक विचार और तनाव कम होते हैं। परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य में सुधार आता है। आर्थिक रुकावटें दूर होती हैं और नए अवसर खुलते हैं। गंगाजल का पूजा-पाठ में उपयोग करने से देवी-देवताओं की कृपा बनी रहती है। गंगाजल के ये सरल उपाय अपनाकर आप अपने घर को नकारात्मक ऊर्जा से मुक्त कर सुख-शांति और समृद्धि का वातावरण बना सकते हैं। नियमितता और श्रद्धा से किए गए इन उपायों से जीवन में सकारात्मक बदलाव जल्दी दिखाई देंगे।

घर घुसते समय न करें ये गलतियां?

वास्तु शास्त्र की बात करें, तो इसका हमारे जीवन में गहरा महत्व होता है। माना जाता है कि किसी भी काम को करने से पहले या उसके दौरान अगर वास्तु के नियमों का सही तरीके से पालन किया जाए, तो इससे जीवन में सुख और समृद्धि आती है। वहीं, इन नियमों को नजरअंदाज करने पर परेशानियां बढ़ने लगती हैं। वास्तु शास्त्र में कई बातों के लिए नियम बताए गए हैं, जिनमें से एक यह भी है कि घर में प्रवेश करते समय हमें किन गलतियों से बचना चाहिए। बाहर से घर लौटते समय मुख्य दरवाजे पर छोटी-छोटी आदतें भी आपकी जिंदगी, एनर्जी और घर के माहौल को अफेक्ट करती हैं।

इस आर्टिकल में हम आपको ऐसी ही कुछ आम गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें हम अक्सर अनजाने में कर बैठते हैं और जिनकी वजह से धीरे-धीरे प्रॉब्लम्स बढ़ने लगती हैं। आइए जानते हैं, वे गलतियां जिन्हें घर में एंट्री करते समय भूलकर भी नहीं करना चाहिए।

जूते-चप्पल को इधर-उधर फैलाना

घर में प्रवेश करते समय अक्सर हम यह गलती करते हैं कि जूते और चप्पलों को कहीं पर भी उतार कर छोड़ देते हैं। अगर आप भी ऐसा ही करते हैं तो इसकी वजह से घर में निगेटिव एनर्जी आ जाती है। घर घुसते समय आपको जूते-चप्पलों को एक ही निश्चित जगह पर रखना शुरू कर दें। इसके अलावा दरवाजे के पास की जगह को साफ और सुलझा हुआ रखें। यह छोटा सा उपाय आपके घर में पॉजिटिव एनर्जी को बनाये रखने में काफी मदद करता है।

गुस्से या स्ट्रेस के साथ घर में प्रवेश करना

आपको कभी भी बाहर से आते समय गुस्से या फिर स्ट्रेस में नहीं रहना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तो यह निगेटिव एनर्जी घर के पूरे माहौल को अफेक्ट कर सकती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार जब आप घर पर कदम रख रहे हों तो उस समय आपका मन शांत और पॉजिटिव होना चाहिए। जब आप ऐसा करते हैं तो घर का माहौल सुखद बना रहता है और साथ ही परिवार के सदस्यों के बीच प्यार और अपनापन भी बरकरार रहता है।

घर में आते ही सीधे बिस्तर पर बैठ जाना

आपको कभी भी बाहर से आने के बाद सीधे जाकर बिस्तर पर नहीं बैठ जाना चाहिए। इसे कभी भी अच्छा नहीं माना जाता है। अगर आप ऐसा करते हैं तो आपकी इस गलती की वजह से बाहर की निगेटिव एनर्जी पूरे घर पर फैल जाती है। घर घुसने के बाद पहले अच्छे से खुद को फ्रेश कर लें और उसके बाद ही आराम करने के लिए बिस्तर पर जाकर लेटें।

पार्लर जैसा निखार अब घर बैठे करें

गर्मियों का मौसम जैसे ही आता है हमें स्किन से जुड़ी कई तरह की प्रॉब्लम्स से जूझना पड़ जाता है। तेज धूप, लगातार बहता पसीना और धूल-मिट्टी की वजह से स्किन बुरी तरह से टैन और डैमेज हो जाती है। जब ऐसा होता है तो हम महंगे ट्रीटमेंट्स और प्रोडक्ट्स की तरफ जाना शुरू कर देते हैं। लेकिन हर बार यह पॉसिबल भी नहीं होता कि आप पार्लर जाएं और इतने पैसे खर्च कर सकें। अगर आपके साथ भी यह प्रॉब्लम होती है तो आज की यह आर्टिकल आपके लिए काफी काम की होने वाली है। आज हम आपको घर पर ही बने कुछ आसान और नेचुरल फ्रूट फेशियल्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें अपनाकर आप अपनी स्किन को ग्लोइंग और हाइड्रेटेड बनाकर रख सकेंगे।

ग्लोइंग स्किन के लिए पपीते का फेशियल

आपकी स्किन के लिए पपीते को काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। इसमें कुछ एंजाइम्स पाए जाते हैं जो आपकी स्किन से डेड सेल्स को हटाकर उसे ग्लोइंग बना देते हैं। इसके लिए आपको एक पके हुए पपीते को अच्छे से मैश कर लेना है और इसे अपने पूरे चेहरे पर लगा लेना है। 20 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर फ्रेश पानी से चेहरे को अच्छी तरह से धो लें। रेगुलर इसके इस्तेमाल से आपकी स्किन सॉफ्ट और क्लियर बनती है।

ठंडक और हाइड्रेशन के लिए तरबूज का फेशियल

तरबूज की खासियत होती है कि उसमें पानी की मात्रा काफी ज्यादा होती है। ऐसे में इसका इस्तेमाल स्किन को अंदर से हाइड्रेटेड रखने के लिए आपको जरूर करना चाहिए। इसके लिए आपको सबसे पहले तरबूज का रस निकाल लेना है और फिर उसमें थोड़ा सा शहद मिला लेना है। अब इसे अपने पूरे चेहरे पर लगा लें। जब आप इसका इस्तेमाल अपने चेहरे पर करेंगे तो आपकी स्किन को ठंडक मिलेगा और साथ ही मॉइस्चर भी बरकरार रहेगा।

ड्राय स्किन के लिए केले और शहद का फेशियल

अगर आपकी स्किन हमेशा ड्राई रहती है, तो आपको अपने चेहरे पर केले और शहद के फेशियल का इस्तेमाल करना चाहिए। यह आपकी स्किन के लिए सबसे बेस्ट चॉइस है। इसके लिए सबसे पहले केले को मैश कर लें और फि उसमें एक चम्मच शहद मिला लें। अब इसे अपने पूरे चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। यह आपकी स्किन को अंदर से मॉइस्चराइज करता है और उसे सॉफ्ट भी बनाता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन काफी व्यस्तता भरा रहेगा। बिजनेस में अधिक व्यस्तता के कारण आप अन्य जरूरी कामों पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। सरकारी नियमों का पालन गंभीरता से करें, अन्यथा कानूनी अड़चन आ सकती है। परिवार में चल रही दूरियां समाप्त होंगी और भाई-बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा।

वृषभ राशि - आज का दिन मध्यम फलदायी रहेगा। कार्यस्थल पर लोग आपकी ओर आकर्षित होंगे, लेकिन कोई करीबी काम में बाधा डाल सकता है। संपति या वाहन खरीदने की आपकी इच्छा आज पूरी हो सकती है। व्यापार में नए उत्पादों को शामिल करना लाभदायक रहेगा। गुस्से पर नियंत्रण रखें।

मिथुन राशि - आज का दिन उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। किसी भी कार्य में लापरवाही न बरतें, वरना बनते काम बिगड़ सकते हैं। धन के लेनदेन से आज बचना ही श्रेयस्कर है। मेहनत का पूरा जोर लगाना होगा तभी लक्ष्य प्राप्त होगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे और मन की बातें साझा करेंगे।

कर्क राशि - आज का दिन बेहतर रहेगा। अपनी बुद्धिमानी से शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। पुराने निवेश से अच्छे लाभ के संकेत हैं। नौकरीपेशा जातकों को नई कंपनी से आकर्षक ऑफर मिल सकता है। यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण जानकारी हाथ लगेगी। जीवनसाथी के लिए उपहार ला सकते हैं।

सिंह राशि - आज का दिन आपके लिए अत्यंत शुभ है। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और भौतिक सुख-साधनों में वृद्धि होगी। पुराने कर्ज चुकाने में सफल रहेंगे। अधिकारियों की नजर आपके शानदार प्रदर्शन पर रहेगी। परिजनों के साथ किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा के योग है।

कन्या राशि - आज आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, जिससे आप कठिन कार्यों को भी आसानी से कर लेंगे। सामाजिक और धार्मिक कार्यों में हिस्सा लेने से सम्मान बढ़ेगा। विवादों में निष्पक्ष निर्णय लेना आपके हित में रहेगा। दूसरों के निजी मामलों में हस्तक्षेप करने से बचें।

तुला राशि-प्रभावशाली लोगों से मुलाकात भविष्य के नए द्वार खोलेगी। पारिवारिक मतभेद दूर होंगे और अधूरी योजनाएं पूरी होंगी। धन प्राप्ति के नए मार्ग प्रशस्त होंगे। पूरे परिवार के साथ पूजा-पाठ में शामिल होंगे। बच्चों को जीवन मूल्यों और परंपराओं की सीख देंगे।

वृश्चिक राशि – आज का दिन सामान्य रहेगा। साझेदारी में किया गया काम लाभदायक सिद्ध होगा। विद्यार्थियों को मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी। अगर करियर को लेकर चिंतित थे, तो आज अच्छी नौकरी का ऑफर मिल सकता है। व्यापार में व्यस्तता के बावजूद अच्छा मुनाफा कमाएंगे।

धनु राशि- आज का दिन मिश्रित फलदायी रहेगा। धन उधार लेने से बचें और बजट बनाकर चलें। कानूनी मामलों और विवादों से दूरी बनाए रखना ही बेहतर है। विदेश से व्यापार करने वालों को बड़ा मुनाफा हो सकता है। ऑफिस में जल्दबाजी में काम करने से गलती हो सकती है।

मकर राशि - आपके प्रभाव और वैभव में वृद्धि होगी। आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। कामकाज को लेकर बनाई गई महत्वपूर्ण योजनाएं सफल होंगी। बच्चों की प्रगति से मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक पूजा-पाठ में आपकी रुचि रहेगी। अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशि- पैतृक संपति से जुड़े विवादों में आज आपको जीत मिल सकती है। रुकी हुई योजनाएं पुन: शुरू होंगी, जिससे लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में अच्छी प्रगति से मन उत्साहित रहेगा। किसी भी गुप्त बात को दोस्तों से साझा न करें, मानहानि की आशंका बन रही है।

मीन राशि- आज का दिन बहुत शुभ है। कोई बड़ी मनोकामना पूरी होने से धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। व्यापार में अधिक मुनाफे से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों के साथ मौज-मस्ती भरा माहौल रहेगा। लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना आपके लिए फलदायी होगा।

– ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

भिंडी की सब्जी और भुजिया

भिंडी एक ऐसी सब्जी है, जिसे हर घर में अलग-अलग तरीकों से बनाया जाता है। चाहे आप कुछ हल्का और हेल्दी खाना चाहें या फिर चटपटा और क्रिस्पी स्नैक्स, भिंडी से कई तरह की लाजवाब डिशेज तैयार की जा सकती हैं। इस आर्टिकल में आप भिंडी से बनने वाली कुछ टेस्टी रेसिपी आइडियाज के बारे में जान सकते हैं जिसे घर पर बनाना बेहद आसान है।

दही भिंडी

दही भिंडी बनाने के लिए सबसे पहले भिंडी को धोकर अच्छी तरह सुखा लें और छोटे टुकड़ों में काट लें। अब कढ़ाही में तेल गरम करके उसमें जीरा डालें और बारीक कटा प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद भिंडी डालकर मध्यम आंच पर 8–10 मिनट तक पकाएं। जब भिंडी अच्छी तरह पक जाए तो उसमें हल्दी, नमक और लाल मिर्च डालें। अब गैस धीमी करके फेंटा हुआ दही डालें और 2–3 मिनट तक पकाएं। तैयार दही भिंडी को गरमा गरम परोसें।

कुरकुरी भिंडी

कुरकुरी भिंडी बनाने के लिए भिंडी को धोकर पूरी तरह सुखाएं और लंबाई में पतली-पतली काट लें। अब इसमें बेसन, चावल का आटा, नमक, हल्दी और लाल मिर्च मिलाएं। एक कढ़ाही में तेल गरम करें और भिंडी को कुरकुरा होने तक तलें। अब इसे निकालकर ऊपर से चाट मसाला छिड़कें।

भरवां भिंडी

भरवां भिंडी बनाने के लिए भिंडी को धोकर सुखाएं और बीच से चीर लें। अब एक बर्तन में धनिया पाउडर, सौंफ पाउडर, अमचूर, हल्दी और नमक मिलाकर मसाला तैयार करें। इस मसाले को हर भिंडी में भरें। एक कढ़ाही में तेल गरम करके भिंडी डालें और धीमी आंच पर ढककर पकाएं, जब भिंडी नरम और अच्छी तरह मसालेदार हो जाए, तब इसे उतार लें।

भिंडी का पकौड़े

भिंडी को धोकर लंबाई में काट लें। बेसन, अजवाइन, नमक, हल्दी और लाल मिर्च डालकर पानी की मदद से गाढ़ा घोल तैयार करें। भिंडी को इस घोल में डुबोकर गरम तेल में डालें और अच्छे से तलकर निकाल लें।

विटामिन ए की कमी के चेतावनी संकेत

विटामिन ए एक जरूरी पोषक तत्व है, जो शरीर को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाता है। यह आंखों की रोशनी को बेहतर बनाए रखने, इम्यून सिस्टम को मजबूत करने और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करता है। विटामिन ए की कमी होने पर शरीर में कई समस्याएं पैदा हो सकती हैं, जैसे आंखों से जुड़ी दिक्कतें, बार-बार संक्रमण होना और त्वचा का रूखापन। खासतौर पर छोटे बच्चों, प्रेगनेंट महिलाओं और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों में विटामिन ए की कमी का खतरा ज्यादा होता है। संतुलित डाइट न लेना, पोषक तत्वों की कमी और खराब लाइफस्टाइल भी इसके पीछे बड़े कारण हो सकते हैं। इसलिए शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए विटामिन ए की पर्याप्त मात्रा लेना जरूरी है। आइए जानते हैं शरीर में विटामिन ए की कमी के कौन से लक्षण दिखाई देते हैं और इसकी कमी कैसे पूरी की जा सकती है।

शरीर में विटामिन ए की कमी के लक्षण

विटामिन ए की कमी होने पर शरीर कई तरह के संकेत देता है, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। सबसे आम लक्षण है रात में साफ न दिखना या नजर कमजोर होना। इसके अलावा आंखों में सूखापन और जलन भी महसूस हो सकती है। त्वचा का रूखा और बेजान होना, होंठों का फटना और बालों का कमजोर होना भी इसके संकेत हैं। बार-बार सर्दी-खांसी या संक्रमण होना भी इम्यूनिटी कमजोर होने का संकेत हो सकता है। कुछ लोगों को घाव भरने में ज्यादा समय लगता है, जो विटामिन ए की कमी से जुड़ा हो सकता है। ये सभी लक्षण इस ओर इशारा करते हैं कि शरीर में इस जरूरी पोषक तत्व की कमी हो रही है।

कैसे करें विटामिन ए की कमी पूरी?

विटामिन ए की कमी को पूरा करने के लिए डाइट में बदलाव करना जरूरी है। गाजर, शकरकंद, पालक और हरी पत्तेदार सब्जियां विटामिन ए के अच्छे सोर्स माने जाते हैं। इसके अलावा दूध, अंडा और मछली जैसी चीजें भी फायदेमंद होती हैं। रोजाना संतुलित डाइट लेने और पोषक तत्वों से भरपूर चीजों को शामिल करने से इसकी कमी को दूर किया जा सकता है। जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह से सप्लीमेंट भी लिया जा सकता है।

ये भी जरूरी

सिर्फ सही खानपान ही नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल का ध्यान रखना भी जरूरी है। समय पर खाना खाएं, जंक फूड से दूरी बनाएं और नियमित रूप से हेल्थ चेकअप करवाएं। बच्चों और प्रेगनेंट महिलाओं को खासतौर पर अपनी डाइट का ध्यान रखना चाहिए। सही आदतें अपनाकर शरीर को लंबे समय तक स्वस्थ रखा जा सकता है।

अलमारी में साड़ियों को सही तरीके से रखने के उपाय

अलमारी में साड़ियों को सही तरीके से रखना बहुत जरूरी होता है, ताकि वे लंबे समय तक साफ, सुंदर और बिना खराब हुए बनी रहें। अक्सर हम साड़ियों को जल्दी-जल्दी में कहीं भी रख देते हैं, जिससे उनमें सिलवटें पड़ जाती हैं या वे ढूंढने में परेशानी होती है। अगर थोड़ी सी समझदारी से साड़ियों को सेट किया जाए, तो न सिर्फ अलमारी साफ-सुथरी दिखती है बल्कि समय भी बचता है। सही तरीके अपनाने से आपकी पसंदीदा साड़ियां हमेशा अच्छी हालत में रहेंगी और जब भी पहनना हो, आसानी से मिल जाएंगी।

1. फोल्ड करके स्टैक बनाएं

साड़ियों को रखने का सबसे आसान और अच्छा तरीका है उन्हें सही से फोल्ड करके एक के ऊपर एक रखना। ध्यान रखें कि हर साड़ी को बराबर तरीके से तह करें ताकि वे ज्यादा जगह न लें और देखने में भी साफ-सुथरी लगें। कोशिश करें कि जो साड़िया आप रोज या ज्यादा पहनती हैं, उन्हें ऊपर रखें और जो कम पहनती हैं उन्हें नीचे। इससे बार-बार पूरी अलमारी उलटने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

2. कैटेगरी के हिसाब से रखें

अगर आपकी साड़ियों की संख्या ज्यादा है, तो उन्हें अलग-अलग कैटेगरी में बांटना बहुत काम का तरीका है। जैसे, डेली वियर, ऑफिस वियर, पार्टी वियर और शादी-ब्याह की साड़ियां अलग रखें। आप चाहें तो हर कैटेगरी के लिए अलग शेल्फ या सेक्शन बना सकती हैं। इससे जब भी आपको जल्दी में कोई साड़ी निकालनी हो, तो ढूंढने में बिल्कुल समय नहीं लगेगा।

3. हैंगर का इस्तेमाल करें

अगर आपकी अलमारी में टांगने की जगह है, तो साड़ियों को हैंगर में टांगना बहुत अच्छा ऑप्शन है। खासकर जॉर्जेट, शिफॉन या सिल्क जैसी साड़ियों के लिए ये तरीका बढ़िया रहता है क्योंकि इससे उनमें सिलवटें कम पड़ती हैं। आप एक हैंगर में एक या दो साड़ियां टांग सकती हैं। इससे साड़ी साफ दिखाई देती है और बिना ज्यादा मेहनत के निकालकर पहनी जा सकती है।

कवर्धा में नारी शक्ति सम्मेलन का हुआ आयोजन

कवर्धा। महिला सशक्तिकरण की दिशा में कबीरधाम जिले में नारी शक्ति सम्मेलन का आयोजन वीर सावरकर भवन, कवर्धा में किया गया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 16 से 18 अप्रैल तक आयोजित होने वाले विशेष संसद सत्र तथा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक धमतरी रंजना साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की धर्मपत्नी रश्मि शर्मा, सांसद संतोष पाण्डेय की धर्मपत्नी रेखा पाण्डेय, राजेन्द्र चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य सुमित्रा विजय पटेल, पूर्णिमा मनिराम साहू, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष देवकुमारी चंद्रवंशी, विजयलक्ष्मी तिवारी, सतविंदर पाहुजा, अनिता धुर्वे, जनपद सदस्य बिमला साहू, नीतू शर्मा, गौरी साहू, नीतू मिश्रा, अंजू शर्मा, ममता साहू, सीमा केशरवानी, द्रोपती मानिमपुरी, सुषमा चंद्रवंशी, सुषमा उपाध्याय, मधु तिवारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी आनंद तिवारी, परियोजना अधिकारी रीना ठाकुर सहित जनप्रतिनिधि, नारी शक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रश्मि विजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के लिए अनेक योजनाएं लागू की गई हैं, जिनसे महिलाओं का सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तिकरण हुआ है। महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं और अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह अधिनियम लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करता है, जिससे उन्हें निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी का अवसर मिलेगा। यह केवल एक विधेयक नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मसम्मान, अधिकार और आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इसके साथ ही जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार साझा किए। पूर्व विधायक धमतरी रंजना साहू ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे इन अवसरों का लाभ उठाकर समाज और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी निभा रही हैं, ऐसे में राजनीति में भी उन्हें समान अवसर मिलना अत्यंत आवश्यक है, जो इस अधिनियम के माध्यम से संभव होगा। कार्यक्रम के दौरान पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत उपस्थित महिलाओं को कुपोषण मुक्त समाज के निर्माण, संतुलित आहार अपनाने एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की शपथ दिलाई गई।

समूहों और विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी

पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत कार्य म में पौष्टिक व्यंजनों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें संतुलित आहार और पोषण से भरपूर खाद्य पदार्थों को प्रदर्शित कर महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों में तैयार की गई खेल सामग्री की भी प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उपयोगी शैक्षणिक एवं मनोरंजक सामग्रियों को प्रस्तुत किया।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना: पंजीयन एवं स्वीकृति की अंतिम तिथि बढ़ाई गई

कवर्धा। वर्ष 2025-26 के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत जिले के समस्त महाविद्यालयों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के पात्र विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्रारंभ कर दी गई है। विभाग द्वारा प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों की लंबित संख्या को दृष्टिगत रखते हुए प्रस्ताव एवं स्वीकृति लॉक करने की अंतिम तिथि में वृद्धि की गई है। संस्थाओं से पूर्व से लंबित प्रपोजल को लॉक कर सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को प्रेषित करने के लिए 18 अप्रैल, शासकीय संस्था, जिला कार्यालय द्वारा स्वीकृति आदेश लॉक करने के लिए 20 अप्रैल और जिला कार्यालय द्वारा भुगतान के लिए राज्य कार्यालय को प्रेषित करने के लिए 22 अप्रैल निर्धारित किया गया है।

समाचार क्रमांक-455/निखलेश

एक परिवार को चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता मंजूर

कवर्धा। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने राजस्व पुस्तक परिपत्र छह-चार के तहत एक विपत्तिग्रस्त परिवार को चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि की स्वीकृति दी है। इसके तहत ग्राम चैरा निवासी बुधियारिन बाई की तालाब में डूबने से मृत्यु हो जाने पर विपत्तिग्रस्त उनके पुत्र मुन्ना बैगा को राजस्व पुस्तक परिपत्र छह-चार के तहत चार-चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता की मंजूरी दी गई है।

डी.ए.वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता बेमेतरा का 10वीं बोर्ड में शत-प्रतिशत परिणाम

बेमेतरा । बेमेतरा स्थित क्षेत्र के प्रतिष्ठित एवं एकमात्र सीबीएसई विद्यालय, डी.ए.वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए इस वर्ष कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत परिणाम हासिल किया है। विद्यालय की इस शानदार उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है, वहीं विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा वातावरण देखने को मिल रहा है। विद्यालय के प्राचार्य पी. एल. जायसवाल ने इस गौरवपूर्ण सफलता पर सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का सामूहिक परिणाम है। उन्होंने आगे कहा कि विद्यालय सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देने का प्रयास जारी रहेगा। इस वर्ष विद्यालय के विद्यार्थियों ने न केवल शत-प्रतिशत परिणाम दिया, बल्कि उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम भी रोशन किया। परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में पुष्केश्वर निर्मलकर ने 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं सीताराम ने 90.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्थान पर दिनेश साहू ने 88.4 प्रतिशत अंक अर्जित किए। इसके अलावा मोक्ष साहू ने 87.6 प्रतिशत अंक के साथ चतुर्थ तथा केशर चन्द्राकर ने 85.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पंचम स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य पी एल जायसवाल ने सभी छात्रों व पालकों को बधाई व शुभकामनाएं दिए। विद्यालय की इस उल्लेखनीय सफलता में समस्त शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक रूप से मजबूत बनाया, बल्कि उन्हें मानसिक रूप से भी परीक्षा के लिए तैयार किया। इस उपलब्धि में विशेष योगदान देने वाले शिक्षकों में ललित देवांगन, गोविंद साहू, अकलेश पटेल, आयुषी जैन, अनिल चंद्रवंशी, दीपिका वर्मा, विमल साहू, ऐश्वर्य देशमुख, पुनम शर्मा, सा शर्मा, संदीप कुमार साहू, ममता चंद्राकर, अभिषेक कुमार, प्रवीण कुमार, मानसी, शोभा रानी, रेणुका पटेल, लेखनी चंद्राकर, प्रीति यादव, स्वप्निल शर्मा, आर्य निधि, गौरी यादव,रितिका साहू, भारती, अनु चंद्राकर, अनिल कुमार, कैलाश सिंह, अनु चंद्राकर।

पुरुषोत्तमपुर में नवीन सहकारी समिति का हुआ शुभारंभ

भंवरपुर। पुरुषोत्तमपुर में नवीन सहकारी समिति के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद रूप कुमारी चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश-प्रदेश में सुशासन स्थापित करते हुए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से धरातल पर उतारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार आने वाले समय में किसान, गरीब, युवा और महिला—इन चारों वर्गों के समग्र विकास पर विशेष फोकस करते हुए नई योजनाएं लाने की दिशा में कार्य कर रही है। योजनाओं का क्रियान्वयन जाति, धर्म और संप्रदाय से ऊपर उठकर किया जा रहा है। सांसद रूपकुमारी चौधरी ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि विधानसभा एवं लोकसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की दिशा में कार्य हुआ है, जिससे महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी और देश के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने सरायपाली में आयोजित नारी वंदन पदयात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं की ऐतिहासिक रैली ने उनके बढ़ते उत्साह को स्पष्ट किया है और पूरे देश में नारी वंदन अधिनियम को लेकर सकारात्मक माहौल है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में पंचायत स्तर पर 57 प्रतिशत आरक्षण पहले से लागू है, जिससे महिलाएं ग्राम पंचायत, जनपद एवं जिला पंचायत में प्रभावी नेतृत्व कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी बढ़े बिना देश का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। सांसद ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु अनेक योजनाएं लागू हुईं, जिसके परिणामस्वरूप आज महिलाएं हर क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के साथ किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य, शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण तथा खाद-बीज-कीटनाशक उपलब्ध कराए जा रहे हैं। गरीबों को मुफ्त चावल एवं अन्य आवश्यक सामग्री भी दी जा रही है और प्रदेश में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। सहकारिता के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा किए गए उल्लेखनी योगदान पर उन्होंने बताया कि आज प्रदेश में 515 नवीन सहकारी समितियों का शुभारंभ किया जा रहा है, जिनमें महासमुंद जिले में 29 तथा बसना विकासखंड में 8 समितियां शामिल हैं। इसी क्रम में पुरुषोत्तमपुर में भी नई समिति प्रारंभ की गई है। उन्होंने जानकारी दी कि दोपहर 1:30 बजे मुख्यमंत्री राजधानी से सभी समितियों का शुभारंभ करेंगे तथा इस पहल के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्र के किसानों को बधाई दी। कार्यक्रम के पूर्व सांसद के आगमन पर आतिशबाजी, कीर्तन पार्टी एवं बाजा-गाजा के साथ भव्य स्वागत किया गया तथा मंचासीन अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं पुष्पहार से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम को जिला पंचायत सदस्य देवकी पुरुषोत्तम दीवान, प्राधिकृत अधिकारी विद्या चरण चौधरी, भंवरपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष डेविड चौधरी एवं त्रिलोचन नायक ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य देवकी पुरुषोत्तम दीवान, जिला पंचायत सदस्य सीमा नायक, प्राधिकृत अधिकारी भंवरपुर विद्या चरण चौधरी, भंवरपुर मंडल अध्यक्ष डेविड चौधरी, प्राधिकृत अधिकारी सलखंड झनक राम चौधरी, बसना भाजपा मंडल मीडिया प्रभारी सुकदेव वैष्णव, उत्तर निषाद लंबर, परदेशी पटेल धामनघुटकुरी, संतोष नायक सरकंडा, कृष्ण कुमार नायक बिछिया, हेमचंद पटेल चनाट, भाजपा मंडल भंवरपुर महामंत्री धर्मेंद्र पटेल, कोषाध्यक्ष सोमनाथ पटेल, जागेश्वर, प्रकाश पारेश्वर, दुर्योधन पटेल, नरेश पटेल, काजल मनोज भोई (सरपंच पुरुषोत्तमपुर), उप सरपंच मिनल मोती दिल प्रसाद, चंद्रिका साहू, जानकी, गायत्री साहू, भज मोती, पदुम लाल पटेल (पूर्व सरपंच), प्यारी लाल निषाद (पूर्व सरपंच), निरंजन साहू, सुरेश साहू, तरुण साहू, सीईओ सहकारिता विभाग मनोज नायक, शाखा प्रबंधक सी.के. विशाल, समिति प्रबंधक हर कुमार पटेल, चुमन पटेल ठुठापाली, तुला राम चौहान लंबर, जितेंद्र कुमार पटेल, राम कुमार पटेल, शिवलाल नायक, परसराम ओगरे, सीताराम चौधरी, हरे कृष्ण बंजारे, गणेश नेताम, सुरेंद्र साहू, निरंजन नायक, योगेश नायक, पुरुषोत्तम नायक, बसंत नायक, भरत लाल नायक, वीरेंद्र पटेल, पदमा जगत, किरण सिदार, विजय, नंद कुमार, सूरज, प्रेम लाल, जोगेंद, नरेश, अमर, गोविंद, हरि, परमेश्वर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आनंद राम चौहान ने किया।

देवरबीजा एवं कोदवा मंडल कांग्रेस कमेटी की बैठक में शामिल हुए आशीष छाबड़ा

बेमेतरा। बेमेतरा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा देवरबीजा एवं कोदवा मंडल कांग्रेस कमेटी की प्रथम बैठक में शामिल हुए इस दौरान पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने सभी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया तथा नवनियुक्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को कार्यकारिणी में शामिल होने की अपनी ओर से बधाई प्रेषित की साथ ही साथ पूर्व विधायक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बूथ एवं पंचायत कांग्रेस कमेटी का गठन अति शीघ्र किया जाना चाहिए तथा बूथ कांग्रेस कमेटी के गठन में बूथ स्तर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सलाह एवं स्वीकार्यता को सर्वाधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए और इस कार्य में किसी प्रकार का विलंब न किया जाए। साथी साथ उन्होंने यह भी कहा कि संगठन ने आपको यह अवसर दिया है कि आप इस संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं कांग्रेस पार्टी की असली ताकत कांग्रेस का कार्यकर्ता ही है।

जो विपरीत परिस्थितियों में भी अपना धीरज नहीं खोता जनहित की मुद्दों पर सत्ता और सरकार से टकराने में भी हिचक नहीं करता आज अगर हमें कांग्रेस संगठन ने पदाधिकारी बनाया है तो हमारा दायित्व है कि हम संगठन के लिए अपना सर्वस्व निछावर कर दें। कांग्रेस संगठन को ऊंचाई में ले जाने के लिए जो भी अपनी ओर से योगदान हो सकता है वह सभी करें। कांग्रेस आम जनता की आशा का केंद्र है ऐसे में हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने कांग्रेस संगठन को प्रत्येक बूथ स्तर पर पहले की अपेक्षा अत्यधिक संगठित एवं सशक्त करने की बात कही जिसके लिए लगातार संगठन में कार्य किया जा रहा है अनुभवी एवं युवा उत्साहियों को अवसर प्रदान किया जा रहे हैं। लगातार संगठन की ओर से कार्यकर्ताओं को आम जनता से संपर्क बनाने एवं उनकी समस्याओं के लिए जुझारू बनने की समझाइए दी जा रही है लगातार क्षेत्र में क्षेत्र वासियों से अपेक्षित सहयोग भी मिल रहा है।

आने वाले समय में कार्यकर्ताओं के सहयोग एवं समर्पण से कांग्रेस संगठन को और अत्यधिक मजबूत किया जाएगा। बैठक को जिला कांग्रेस प्रभारी सुनील माहेश्वरी एवं ब्लॉक प्रभारी सतीश मारकंडेय ने भी संबोधित किया उन्होंने भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के सदस्य बनने पर अपनी ओर से शुभकामनाएं प्रेषित की तथा कार्यकर्ताओं से कांग्रेस को मजबूत करने के लिए आगे आने को कहा इस अवसर पर टी आर साहू रवि परगनिहा विवेक ललित विश्वकर्मा सिंह राजपूत सुरेश दुबे डॉ. प्रभात श्रीवास्तव प्रवीण शर्मा विजय देवांगन श्याम बंजारे प्रदीप साहू टोनू आनन्द देवांगन राजा साहू नंदू सलूजा गुलाब मंडावी पवन साहू शत्रुघ्न साहू गौकरण टंडन छगन साहू दिलहरन साहू गोरेलाल साहू रमेश साहू सहदेव सिन्हा संजय यदु मानसिंह साहू विजयी मांडले कमलेश बंजारे झग्गर यशवंत साहू हेमसिंग साहू सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री द्वारा नई सोसायटी का वर्चुअल शुभारंभ अस्तित्व में आई मोहड़ व साल्हे सहकारी समिति

डोंगरगांव नगर। मुख्यालय नगर में संचालित सहकारी समिति मर्यादित डोंगरगांव अब 3 हिस्सों में विभाजित हो चुका है। डोंगरगांव से कटकर 2 अन्य सहकारी समितियाँ मोहड़ एवं साल्हे घुघवा सृजित की गई हैं। ये समितियां मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा सहकारिता मंत्री केदार कश्यप की मौजूदगी में वर्चुअल शुभारंभ के साथ पृथक अस्तित्व में आ गई हैं । उल्लेखनीय है कि उक्त नवगठित सहकारी समितियों के अस्तित्व में आने से नई सहकारी समितियों के गठन से किसानों को अब अपनी मेहनत की फसल विक्रय करने ज्यादा दूर नहीं जाना पड़ेगा। इससे समय और संसाधनों की बचत होगी ही, अपितु क्षेत्र में कृषि कार्यों में भी तेजी आएगी। मोहड़ नवीन सहकारी समिति पंजीयन क्रमांक 1270 के नवनिर्मित शाखा के सीएम व विभागीय मंत्री द्वारा वर्चुअल शुभारंभ के मौके पर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय जिला पंचायत सभापति राजनांदगांव जागृति चुन्नी यदु सम्मिलित हुईं। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपानेता चुन्नी यदु, मोहड़ सरपंच भूषण देवांगन, कोहका सरपंच शरद वैष्णव, मायलठबरी सरपंच मधु ओमेश यदु, खेमचंद यदु, रोशन देवांगन, लखन पटेल, कृष्णा साहू, टूमन साहू, ललतु सहारे, अनूप चनापे, प्रकाश धनकर, कांति लाल देवांगन, उपसरपंच अंकुश देवांगन, पुरानिक यदु, चंद्रभान यदु सहित अन्य शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रतीक सिंह ठाकुर समिति प्रबंधक डोंगरगांव, तुलसी यादव समिति प्रबंधक मोहड़, अमर धनकर लिपिक, भीसम, आत्मा यादव ऑपरेटर, पुरुषोत्तम जांगड़े, नवीन कुमार साहू, टेसू राम साहू ऑपरेटर, दया राम साहू, दशरथ देवांगन, रमन साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे। इसी तारतम्य में साल्हे घुघवा सहकारी समिति मर्यादित पंजीयन क्रमांक 1269 के नवनिर्मित शाखा के सीएम व विभागीय मंत्री द्वारा वर्चुअल शुभारंभ के मौके पर मुख्य अतिथि दिनेश गांधी सम्मिलित हुए। इस मौके पर रामकिशन माहेश्वरी, अरुण जैन, रामकुमार गुप्ता, ग्राम पंचायत घुघवा साल्हे, आरी, कोनारी, अमलीडीह, बरसनटोला व गुँगेरी नवागांव के सरपंचगण, प्रबंधक सुरेंद यादव, लिपिक विजय साहू, ऑपरेटर हरीश कुमार सहित क्षेत्र के किसान उपस्थित थे।

बिना हेलमेट 84 एवं 68 अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने 152 प्रकरण में 63,700/- रूपये समन शुल्क

बेमेतरा। थाना/चौकी व यातायात बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत बिना हेलमेट, तीन सवारी, बिना सीट बेल्ट, भारी वाहन, तेज गति से वाहन चलाना, दोपहिया पर मॉडिफाई साइलेंसर तथा शराब सेवन कर वाहन चलाने जैसे गंभीर उल्लंघनों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 13 अप्रैल 2026 को थाना बेमेतरा 07 चालान में 07 वाहन चालक, थाना नवागढ 05 चालान में 05 वाहन चालक, थाना नांदघाट 19 चालान में 19 वाहन चालक, थाना दाढी 05 चालान में 05 वाहन चालक, थाना खम्हरिया 07 चालान में 07 वाहन चालक, थाना परपोडी 17 चालान में 17 वाहन चालक, थाना चंदनू 07 चालान में 07 वाहन चालक, चौकी देवकर 04 चालान में 04 वाहन चालक, चौकी खण्डसरा 08 चालान में 08 वाहन चालक, चौकी मारो 09 चालान में 09 वाहन चालक, चौकी कंडरका 07 चालान में 07 वाहन चालक, चौकी देवरबीजा 10 चालान में 10 वाहन चालक, चौकी संबलपुर 05 चालान में 05 वाहन चालक,यातायात बेमेतरा 42 चालान में 42 वाहन चालको के विरूद्ध चालानी कार्यवाही किया गया। जिसमें 84 बिना हेलमेट एवं 68 अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले जैसे तीन सवारी, बिना सीट बेल्ट, माल वाहक में सवारी बैठाना, तेज गति, घातक तरीके से वाहन खड़ी करना, मौके पर कागजात पेश न करना, बिना लायसेंस वाहन चालको के विरूद्ध कुल 152 प्रकरण में 63,700/- रूपये समन शुल्क लिया गया। उक्त कार्यवाही के दौरान थाना/चौकी प्रभारी एवं यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, सउनि मोहन साहू, रघुवीर सिंह सहित यातायात पुलिस टीम शामिल रहे। इसी क्रम में सशक्त ऐपके माध्यम से गुम या चोरी हुए वाहनों की पहचान हेतु वाहन चेकिंग की जा रही है। जिले के विभिन्न थाना/चौकी एवं यातायात स्टाफके द्वारा 13 अप्रैल 2026 को सशक्त एप(एप्लिकेशन) के माध्यम से चौक-चौराहो में वाहन चेकिंग कर व पेट्रोलिंग के दौरान सशक्त एप (एप्लिकेशन) के माध्यम से यातायात बेमेतरा में 70 वाहनों की चेकिंग की गई। बेमेतरा पुलिस द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, शराब सेवन कर वाहन न चलाएं, मालवाहक वाहनों में सवारी न बैठाएं, नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने न दें, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं तथा वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें तथा वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस का सहयोग करें। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

श्री शंकरा विद्यालय सेक्टर-10 एस.एस.ई. का गौरवपूर्ण परीक्षा परिणाम

AVIRAL RAI

AAYUSH PRATAP SINGH

KRITIKA JHA

दुर्ग। श्री शंकरा विद्यालय सेक्टर-10 के कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों ने सी.बी.एस.ई.कक्षा 10वीं (वर्ष 2025-2026) में एक बार फिर अपना परचम लहराया 710 बच्चों ने 95% से अधिक अंक लाकर एवं 69 बच्चों ने 90 % से अधिक अंक लाकर विद्यालय को गौरवान्वित किया । कक्षा 10वीं के आयुष प्रताप सिंह ने 99% प्राप्त कर प्रथम,अविरल राय ने 98.6त्र प्राप्त कर द्वितीय तथा कृतिका झा ने 97.6% प्राप्त कर तृतीय स्थान पर अपनी जगह बनाई

अंग्रेजी विषय में धीरज साहू ने 97 अंक,गणित विषय में आयुष प्रताप सिंह ने 99,विज्ञान विषय में आयुष प्रताप सिंह, अनुनय ताम्रकार और भार्गव बिसेन ने 98 अंक प्राप्त किये। अविरल राय ने सामाजिक विज्ञान में 100 एवं हिंदी में 98 अंक प्राप्त किये 7 सूचना प्रौद्योगिकी (IT) में अविरल राय,अनवी कुरूप,नितीश पांडे, युक्ति कौशिक, लव्य सावरिया ने 100 अंक प्राप्त किये। संस्कृत में आयुष प्रताप सिंह, कृतिका झा,अनुनय ताम्रकार,अश्विनी संदीप पवार,मीनाक्षी अग्रवाल,वैभवी शर्मा ने 100 अंक प्राप्त किये। सभी बच्चों ने उत्कृष्ट अंको से उत्तीर्ण होकर विद्यालय का नाम रोशन किया । विद्यालय के प्राचार्य श्री बिपिन देशमुख, उप प्राचार्य श्री विजयन बी.और सभी शिक्षकों ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की और सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री वी.रामचंद्रन ,सचिव श्री एस.स्वामीनाथन एवं समिति के अन्य सम्मानीय सदस्यों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त कर आशीर्वाद देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन की बधाई दी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com